मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार, 7 दिसंबर 2025
संवत 2082, पौष कृष्णपक्ष 3 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 88 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं और अवसर

काशिका कपूर ने बिखेरी ओल्डहॉलीवुड ग्लैमर की चमक ◀◀ 6


# केरल में आग लगने से 15 मछली पकड़ने वाली नावें जलकर खाक

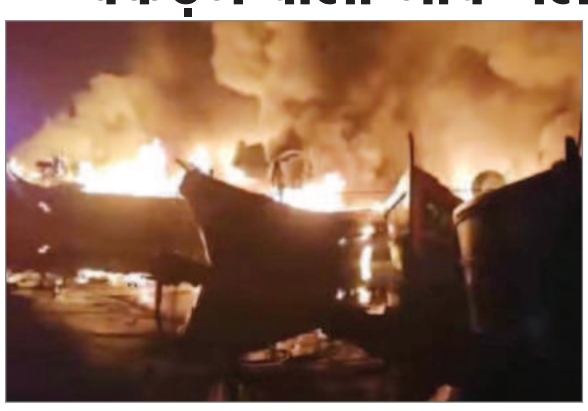

**कोल्लम:** केरल में कोल्लम जिले के कुरीपुझा में रविवार तड़के भीषण आग लग गई, जिससे अष्टमुडी झील के किनारे खड़ी लगभग 15 मछली पकड़ने वाली नावें खाक हो गईं। तड़के लगभग 2 बजे लगी इस आग ने स्थानीय मछुआरों की नावों, मछली पकड़ने के जालों और उपकरणों को भारी नुकसान पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें लंगर डाले खड़ी नावों के समूह में तेजी से फैल गईं, जिससे बैकवाटर पर धुएँ का घना गुबार छा गया। स्थानीय निवासी मौके पर पहुँचे और दमकल गाड़ियों के पहुँचने से पहले आग पर काबू पाने के शुरूआती प्रयास किए।

कुंदारा, चावरा और कोल्लम स्टेशनों से अग्निशमन और बचाव सेवाओं की छह टीमों को तैनात किया गया। दमकलकर्मियों ने कई घंटों तक आग पर काबू पाया और आखिरकार स्थिति पर काबू पा लिया, हालांकि तब तक काफी नुकसान हो चुका था। प्रारंभिक आकलन भारी वित्तीय नुकसान का अनुमान हैं। मछुआरों का कहना है कि इस घटना ने वर्षों की उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है और कई मछुआरों के पास अपनी आजीविका चलाने के साधन भी नहीं बचे हैं।

अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

# गोवा के नाइट क्लब में लगी आग, 25 लोग जिंदा जले,सीएम ने दिए जांच के आदेश

## गोवा अग्निकांड पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख, अनुग्रह राशि देने का ऐलान

**पणजी:** गोवा के अरपोरा गांव में एक नाइट क्लब 'बिर्च बाय रोमियो लेन' में आग लगने से 25 लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हुए हैं। यह घटना देर रात करीब 1 बजे हुई, जब क्लब में 'बॉलीवुड बैंगर नाइट' चल रही थी और करीब 100 लोग वहां मौज-मस्ती कर रहे थे। अचानक आग लगने से क्लब में भगदड़ मच गई। दुख की बात यह है कि आग से बचने के लिए भागे कुछ टूरिस्ट और स्टाफ मेंबर नीचे किचन में फंस गए, जहां दम घुटने से उनकी मौत हो गई। मरने वालों में पर्यटक और क्लब के कर्मचारी दोनों शामिल हैं।

**तंग रास्ते और मुश्किल एग्जिट बने बचाव कार्य में बाधा:** घटना की जानकारी मिलने पर, दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई, जिसके बाद 25 शव बरामद किए गए। हालांकि, आग बुझाने में काफी मुश्किल आई, क्योंकि क्लब का एंट्री और एग्जिट बहुत तंग था। साथ ही, क्लब तक जाने वाली गलियां भी पतली थीं, जिससे फायर इंजन क्लब से करीब 400 मीटर दूर ही खड़े हो पाए।

**चश्मदीद ने कहा, ताड़ के पत्तों ने फैलाई आग:** एक चश्मदीद, फातिमा शेख ने बताया कि आग की लपटें उठते ही अफरा-तफरी मच गई और क्लब से बाहर भागने के बाद उन्होंने देखा कि पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में थी। उन्होंने यह भी बताया कि क्लब में ताड़ के पत्तों से बनी अस्थायी संरचनाएं थीं, जिनमें आग आसानी से फैल गई।

सीएम ने दिए जांच के आदेश, पीएम ने की बात: इस भयानक हादसे पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गहरा दुख जताया और इसे गोवा के लिए 'बहुत दुखद दिन' बताते हुए जांच के आदेश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया और एक्स पर कहा कि उनकी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री से बात की है और राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव मदद दे रही है।

**बिना परमिशन चल रहा था क्लब:** नाटक क्लब के नियमों के उल्लंघन की बात भी सामने आई है। अरपोरा-नागोवा पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर ने बताया कि क्लब के पास इसे चलाने की कोई परमिशन नहीं थी। पंचायत ने इस जगह को तोड़ने का नोटिस भी दिया था, लेकिन पंचायत निदेशालय के अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी थी। उन्होंने कहा कि यह घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और अब नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर और भी ज्यादा सख्ती बरती जाएगी।

# रविवार को भी इंडिगो की 220 से ज्यादा उड़ानें रद्द सरकार का निर्देश- रात 8 बजे तक पैसा रिफंड करें

**नई दिल्ली :** इंडिगो एयरलाइन में परिचालन संकट को दूर कर हालात सामान्य करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन संकट लगातार छठे दिन जारी है और रविवार को भी दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर 220 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं। इंडिगो में जारी संकट के चलते बीते छह दिनों में करीब 3000 उड़ानें रद्द हुई हैं, जिससे देश में हवाई यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और लाखों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। मुंबई एयरपोर्ट पर रविवार को कम से कम 112 और दिल्ली एयरपोर्ट पर 109 उड़ानें रद्द हुईं। इससे पहले शुक्रवार को इंडिगो की करीब 1,600 उड़ानें रद्द हुईं। हालांकि शनिवार को रद्द उड़ानों की संख्या घटकर करीब 800 रह गई। इंडिगो संकट पर अब सरकार ने भी सख्त रुख अपना लिया है और इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ और अकाउंटेबल मैनेजर पोकेर्रास को शनिवार को डीजीसीए ने नोटिस जारी कर परिचालन संकट पर 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है।


सन्देश

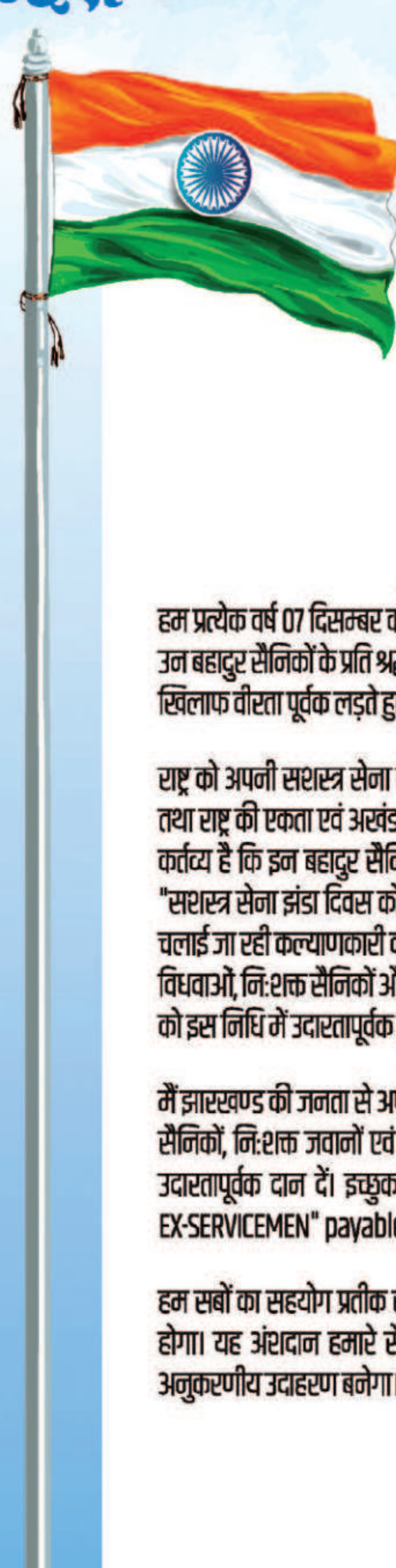

**संतोष कुमार गंगवार**
राज्यपाल, झारखण्ड

आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस है। इस शुभ अवसर पर मैं भारतीय सेना के सभी कार्यरत तथा अवकाश प्राप्त सैनिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

हम प्रत्येक वर्ष 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाते हैं। इस दिन हम अपने देश की सशस्त्र सेना के प्रति सम्मान एवं एकजुटता प्रदर्शित कर उनका मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें आश्वासन दिलाते हैं कि हम सभी भारतवासी उनके साथ हैं, जिनकी दिलेरी, बहादुरी, सतर्कता एवं चौकसी के कारण ही देश की सीमाएं एवं हम सभी देशवासी सुरक्षित हैं।

हमारे देश की सशस्त्र सेना निरंतर सतर्क रहकर देश की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता की रक्षा में सतत् सेवारत रहती है। चाहे युद्ध का समय हो या शांति काल, हमारी सशस्त्र सेना ने अपने कर्तव्य, साहस, समर्पण तथा निष्ठा से राष्ट्र को सदैव गौरवान्वित किया है। यह देश एवं हम सभी देशवासी अपने देश के महान वीर सैनिकों के प्रति सदैव ऋणी रहेंगे।

हम सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि हम अपनी क्षमता अनुसार "सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष" (एकीकृत निधि) में योगदान देकर, उन वीर सैनिकों जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है, के प्रति अपना आभार प्रकट करें। इच्छुक संस्थान/व्यक्ति "AMALGAMATED FUND FOR WELFARE OF EX-SERVICEMEN" payable at Ranchi पर अपना दान दे सकते हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि झारखण्ड के निवासी अपने गौरवमयी परंपरा को दृष्टि में रखते हुए झंडा दिवस के अवसर पर उदारतापूर्वक दान देकर सशस्त्र बलों के प्रति हम सभी की गहरी कृतज्ञता एवं असीम प्यार अभिव्यक्त करने में अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

जय हिन्द !

**हेमन्त सोरेन**
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

हम प्रत्येक वर्ष 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर हम उन बहादुर सैनिकों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट करते हैं, जिन्होंने विगत युद्धों तथा आतंकवाद के खिलाफ वीरता पूर्वक लड़ते हुए देश के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी या निःशक्त हो गये।

राष्ट्र को अपनी सशस्त्र सेना पर गर्व है। बाहरी आक्रमण से भारतीय सेना ने देश की रक्षा करने तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमसब का नैतिक कर्तव्य है कि इन बहादुर सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास हेतु प्रयास करें। इसके लिए राज्य में "सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष" का गठन किया गया है। राज्य सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी कार्यक्रमों में इस राशि का उपयोग किया जाता है, जिससे वीरांगनाओं, विधवाओं, निःशक्त सैनिकों और उनके आश्रितों तथा सेवारत कर्मियों को लाभ मिलता है। हम सभी को इस निधि में उदारतापूर्वक दान देना चाहिए।

मैं झारखण्ड की जनता से अपील करता हूँ कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस के शुभ अवसर पर शहीद सैनिकों, निःशक्त जवानों एवं आश्रितों के कल्याणार्थ गठित "सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष" में उदारतापूर्वक दान दें। इच्छुक संस्थान/व्यक्ति "AMALGAMATED FUND FOR WELFARE OF EX-SERVICEMEN" payable at Ranchi पर अपना दान दे सकते हैं।

हम सबों का सहयोग प्रतीक रूप में अपनी सशस्त्र सेना के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रकटीकरण होगा। यह अंशदान हमारे सैनिकों का मनोबल ऊंचा करेगा एवं देशवासियों के सम्मुख एक अनुकरणीय उदाहरण बनेगा।

जोहार !

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, राज्य सैनिक कल्याण निदेशालय, झारखण्ड सरकार

PR 367757(Home)25-26

# केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने देवघर एम्स का किया दौरा, इमरजेंसी ओटी का किया निरीक्षण

संवाददाता

**देवघर:** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा दो दिवसीय दौरे पर झारखंड पहुंचे हैं। उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और फिर देवघर में एम्स का भी दौरा किया। इसकी जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जेपी नड्डा के दौरे को लेकर लिखा गया कि स्वास्थ्य मंत्री देवघर में चल रही क्लिनिकल और इंस्टीट्यूशनल एक्टिविटीज का रिव्यू करने के लिए एम्स देवघर का दौरा किया। उन्होंने 20-बेड वाले ऑब्जर्वेशन वार्ड और इमरजेंसी ओटी समेत इमरजेंसी डिपार्टमेंट का निरीक्षण किया और फंक्शनल तैयारियों का आकलन किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री नड्डा ने ऑर्थोपेडिक्स वार्ड में मरीजों से बातचीत की ताकि उनके केयर एक्सपीरियंस को समझा जा सके। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ डॉ। नितिन गंगाने ने मंत्री को संस्थान की प्रगति, सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी, जिसके बाद अधिकारियों के साथ मुख्य ऑपरेशनल और डेवलपमेंटल प्रायोरिटीज पर चर्चा हुई। वहीं जेपी नड्डा ने बताया कि झारखंड के देवघर स्थित एम्स में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और प्रगति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए परिसर का दौरा भी किया। यह संस्थान विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त एक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लोगों के और करीब ला रहा है और क्षेत्रीय अंतर को कम कर रहा है। एम्स देवघर भविष्य के चिकित्सा अनुसंधान और प्रशिक्षण को भी आकार दे रहा है। हमारा ध्यान सेवाओं को सुदृढ़ बनाने पर है ताकि क्षेत्र के लोगों को सर्वोत्तम देखभाल प्राप्त हो सके। जेपी नड्डा देवघर में आयोजित 'कार्यकर्ता सम्मेलन' में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश की हेमंत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हेमंत सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देकर आदिवासी भाई-बहनों समेत झारखंडी लोगों के हक और अधिकारों को लूटा है। प्रदेश की जनता हेमंत सरकार की वादाखिलाफी और भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा कि संगठन के विस्तार और मोदी सरकार की उपलब्धियों और नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में हमारे कार्यकर्ता समर्पणभाव से जुटे हुए हैं। साथ ही झारखंड की विरासत को सहेजने और राज्य की संपदाओं पर स्थानीय निवासियों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित हैं।

# पीएम-एफएमई योजना बनी वरदान, सौरभ ने बनाया मसाला ब्रांड, स्थानीय लोगों को दे रहे रोजगार

संवाददाता

**हजारीबाग:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से 'आत्मनिर्भर भारत' और 'लोकल फॉर वोकल' का मंत्र दिया है, तब से देशभर में लाखों युवाओं की जिंदगी बदल रही है। सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर लोग न सिर्फ खुद की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार का अवसर दे रहे हैं। झारखंड के हजारीबाग के सौरभ कुमार भी उन्हीं में से एक हैं। सौरभ की कहानी बताती है कि यदि इरादा मजबूत हो और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग किया जाए, तो सफलता दूर नहीं रहती। हजारीबाग के सौरभ कुमार ने प्रधानमंत्री की पीएम एफएमई योजना का लाभ उठाया। यह योजना छोटे खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को आर्थिक और तकनीकी मदद देती है। उद्योग विभाग की सलाह पर उन्होंने योजना में आवेदन किया और मंजूरी मिलने के बाद हजारीबाग के इंद्रपुरी चौक में अपना मसाला प्रसंस्करण प्लांट शुरू कर दिया और 'अपना जायका' नाम का मसाला ब्रांड लॉन्च किया। सौरभ बताते हैं कि मसाले का व्यवसाय चुनने के पीछे एक सोच थी। बाजार में मिलावटी मसालों की भरमार है, इसलिए उन्होंने स्थानीय लोगों को शुद्ध, स्वच्छ और स्थानीय स्तर पर तैयार मसाले उपलब्ध कराने की ठान ली। आज उनका मसाला ब्रांड हजारीबाग में अपनी पहचान बना चुका है। सौरव कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि मैं 'अपना जायका' नाम से मसाला ब्रांड चलाता हूं। मेरा मकसद है कि मैं लोगों के घरों तक शुद्ध मसाला पहुंचा दूं। हम मसालों को बहुत स्वच्छ तरीके से बनाते हैं। मसालों की सफाई करने के बाद भूनते हैं। उसके बाद मसालों की पिसाई करते हैं। मैंने पीएम एफएमई योजना के तहत लोन लिया और कारोबार को आगे बढ़ाया है। मेरा जीवन अच्छी तरह से चल रहा है। इस कारोबार से करीब दस लोगों को रोजगार मिला है। आने वाले समय में पूरे प्रदेश में कारोबार का विस्तार करूंगा और लोगों को रोजगार प्रदान करूंगा। वहीं, स्थानीय निवासी सानू राज मेहता ने कहा कि मेरा लोगों से अनुरोध है कि इस उत्पाद का इस्तेमाल जरूर करें और स्थानीय कारोबार को बढ़ावा दें। पीएम मोदी भी 'लोकल फॉर वोकल' पर जोर देते हैं।

# शराब विवाद में पिता-पुत्र की हत्या

संवाददाता

**बोकारो:** शराब पीने-पिलाने के विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें पिता और पुत्र की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मृतक पिता-पुत्र किसी शराब विवाद में उलझ गए थे। पड़ोसियों और स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के दिन मृतक और आरोपियों के बीच शराब पीने और देने को लेकर विवाद हुआ। बहस बढ़ते-बढ़ते हाथापाई में बदल गई, और इसी दौरान आरोपियों ने हथियार का इस्तेमाल कर पिता-पुत्र की हत्या कर दी। हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने बताया कि शुरूआती पूछताछ और इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर हैं और उनसे कड़ी पूछताछ जारी है। पुलिस अधीक्षक ने मीडिया से कहा, हमने इस हत्याकांड को गंभीरता से लिया है। आरोपी पहले से ही इस क्षेत्र में नशे और अन्य अपराधों के लिए जाना जाता है। हमारी प्राथमिकता है कि अपराधियों को कानून के तहत सजा दिलाई जाए। स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्होंने प्रशासन से इलाके में सुरक्षा बढ़ाने और शराब से जुड़े विवादों को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की। मृतक के परिवार पर शोक की लहर है। पड़ोसियों के अनुसार, यह परिवार हमेशा शांतिपूर्ण और ईमानदार रहा, लेकिन शराब विवाद ने उनकी जिंदगी में खौफनाक मोड़ ले लिया। इस मामले ने एक बार फिर यह उजागर किया है कि शराब और नशे से जुड़ी विवादित स्थितियां अक्सर हिंसा और हत्या तक ले जा सकती हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस वारदात ने बोकारो में नागरिकों में डर और चिंता पैदा कर दी है।

# रांची में बुजुर्ग दिव्यांग महिला की गला रेतकर हत्या

संवाददाता

**रांची:** शहर के सिंहमोड़ में एक दिव्यांग बुजुर्ग महिला की बड़े ही बेरहमी से हत्या कर दी गई है। बुजुर्ग महिला की हत्या गला रेतकर की गई है। महिला के घर में रखे गहने और नकदी भी गायब है।

**क्या है पूरा मामला:** रांची के हटिया सिंहमोड़ विजेता इंक्लेव स्थित फ्लैट में रहने वाली एक बुजुर्ग दिव्यांग महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। इस वारदात को अपराधियों ने उनके फ्लैट में घुसकर अंजाम दिया है। महिला की हत्या के साथ ही अपराधियों ने घर में रखे लाखों रुपए के जेवरात भी लेकर फरार हो गए हैं। वारदात शुक्रवार रात की ही है। महिला विश्वासी हन्ना तिरू (60 वर्ष) विजेता इन्क्लेव स्थित फ्लैट में अकेले रहतीं थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद जगन्नाथपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है।

**एफएसएल के द्वारा जांच की गई:** इस मामले की गंभीरता को देखते हुए वारदात स्थल की एफएसएल से भी जांच करवाई गई। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से कुछ चीजें को जांच के लिए जब्त कर अपने साथ ले गई। वहीं पुलिस शव को अपने कब्जे में लिया और रिम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

इस मामले में हटिया निवासी अनिल कुमार तिरू ने अज्ञात अपराधियों के विरूद्ध जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस की टीम अपार्टमेंट और उसके आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरा खंगाल रही है।

**खाना देने पहुंचा भतीजा, फर्श पर पड़ा खून लगा ब्लेड:** बुजर्ग महिला के भतीजा अनिल ने पुलिस को बताया कि वह चाची को खाना देने के लिए उनके फ्लैट में गए थे। देखा कि फ्लैट का दरवाजा खुला हुआ था और दरवाजा आगे पीछे हिल रहा था। अंदर जाने पर देखा कि उनकी चाची विश्वासी हन्ना तिरू जमीन पर गिरी हुई थी। खून बह रहा था। यह देखकर वह घबरा गए और अपने चाचा दास टोपनो को घटना की जानकारी दी।

उनके चाचा भी भागे भागे मौके पर पहुंचे और नजदीक जाकर देखा कि उनकी चाची का ब्लेड से गला काटा हुआ है। फर्श में खून लगा ब्लेड भी पड़ा हुआ था। घटना की जानकारी जगन्नाथपुर पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

**अलमीरा खुला था, जेवरात व कैश गायब:** परिजन अनिल के मुताबिक, फ्लैट में रखे अलमीरा खुला हुआ था। उसमें रखे जेवरात व कैश रुपए भी गायब थे। आशंका जतायी गई है कि अपराधियों ने लूटपाट के मकसद से घटना को अंजाम दिया होगा।

**मेकॉन कर्मी की पत्नी थी विश्वासी:** हटिया के लटमा रोड निवासी अनिल कुमार तिरू ने पुलिस को बताया कि उनके छोटे चाचा स्टीफन तिरू मेकॉन में कार्यरत थे। 2022 में सेवानिवृत हुए और लटमा रोड में विजेता इनक्लेव में पत्नी के साथ रहते थे लेकिन उनका निधन 2024 में हो गया। इसके बाद उनकी चाची अकेले उस फ्लैट में रह रही थी। उनके पैर काम नहीं करते थे, जिसकी वजह से वह वाकर से चलती थी। आसपास में रहने वाले परिजन उन्हें खाना-पानी देने के लिए समय-समय पर फ्लैट में जाया करते थे।

**चालक संदेह के घेरे में, तलाश में जुटी पुलिस:** जगन्नाथपुर थानेदार दिग्विजय सिंह के अनुसार दिव्यांग बुजुर्ग विश्वासी तिरू के पास एक चार पहिया वाहन है, उन्हें कहीं जाना होता था तो चालक उसे अपने साथ ले जाया करता था। कर्रा से एक महीने पहले विश्वासी कार से ही लौटीं थी, इसके बाद चालक कार लेकर चला गया।

**करीब एक महीने से चालक और कार गायब:** थानेदार दिग्विजय सिंह का कहना है कि चालक का मोबाइल भी स्वीच आफ है। हालांकि जल्द ही चालक के घर पुलिस जाएगी और उससे पूछताछ करेगी। बताया जा रहा है कि मेकॉन कॉलोनी निवासी सलोमी होरा से भी पुलिस पूछताछ करेगी। सलोमी होरा बुजुर्ग विश्वासी के लिए खाना खुद बनाकर खिलाया करती थी। 30 नवंबर को उनके चाची के भाई की लड़की एलिन सांगा चार दिन रहकर 30 नवंबर को अपने घर खूंटी चली गई थी। चाची बिल्कूल अकेले रह रही थी।

# सेल का ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस्तेमाल पर वर्कशॉप

**रांची:** स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के इनहाउस कंसल्टेंट, सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने रांची के सेल सैटेलाइट टाउनशिप के इस्पात एग्जीक्यूटिव हॉस्टल में ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल पर एक दिन की टेक्निकल वर्कशॉप ऑर्गनाइज की। वर्कशॉप का मकसद यह पता लगाना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, सेल के ऑपरेशन्स में प्रोडक्टिविटी, सेफ्टी और डिसीजन-मेकिंग को कैसे बेहतर बना सकता है। प्रोग्राम का उद्घाटन डायरेक्टर (टेक्निकल, प्रोजेक्ट्स और रॉ मटेरियल्स) श्री मनीष राज गुप्ता ने किया। अपने भाषण में, उन्होंने सेल में ग्राहक संतुष्टि,, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपनाने से सुरक्षा, कर्मचारियों का समेकित कल्याण और लागत में कमी सुनिश्चित होनी चाहिए, साथ ही आये प्रतिनिधियों को व्यवहारिक, वैल्यू-एडेड एप्लीकेशन्स पर फोकस करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हाल ही में भुवनेश्वर में हुए चिंतन शिविर से मिली विचारधारा का भी ज़िक्र किया। संजय कुमार, सीजीएम-सेट ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और अपने स्वागत भाषण में सेट के लिए इस वर्कशॉप की इंपॉर्टेंस पर जोर दिया, और तकनिकी में तरक्की को आगे बढ़ाने और फ्यूचर-रेडी कैपेबिलिटीज को मजबूत करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर जोर दिया। ईडी, सेट एसके वर्मा ने लागत मूल्यांकन,, प्रोजेक्ट प्लानिंग, ड्राइंग-कंटेंट एक्सट्रैक्शन और टाइम पर डिलीवरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती पैठ पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि वैश्विक सक्सेस रेट अभी भी कम है, लेकिन इसे जल्दी और असरदार तरीके से अपनाने से सेल को काफी फायदा हो सकता है। इस इवेंट में दीपक जैन, ईडी एसडीटीडी।), मुख्य महाप्रबंधक सुनील गुप्ता, अनिल कुमार मिस्त्री, नीलेश सिन्हा, जितेंद्र सलूजा, एसके दास, तपस मोहंती, सलिल भट्टाचार्जी और एसपी दास समेत सीनियर एग्जीक्यूटिव्स मौजूद थे। वर्कशॉप में अलग-अलग डिपार्टमेंट्स, सेल संयंत्र, मेकॉन और दूसरे टेक्नोलॉजी पार्टनर्स ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सीमेंस, माइक्रोसॉफ्ट, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, इंटरसेक्टआईक्यू, रिपिक एआई, इनफिसविफ्ट टेक्नोलॉजीज, रिंच सॉल्यूशंस, मोश टेक्नोलॉजी, रॉकवेल ऑटोमेशन, फीनिक्स कॉन्टैक्ट और प्रमा हिकविजन जैसे टेक्नोलॉजी पार्टनर्स ने प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, डिजिटल ट्विन्स, प्रोडक्शन ऑप्टिमाइजेशन, इंजीनियरिंग ऑटोमेशन, सिक्योरिटी सिस्टम और इंडस्ट्री सॉल्यूशंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -ड्रिवन एडवांसमेंट दिखाए। वर्कशॉप ने चर्चा के लिए एक प्लेटफॉर्म दिया और ऑपरेशनल एफिशिएंसी को बेहतर बनाने, लागत कम करने और सेल के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को तेज करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्षमता को दिखाया।

## समाचार सार

### एससी- एसटी- ओबीसी व एकता मंच ने मनाया बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस

प्रवेश चौहान खलारी

**खलारी:** एससी- एसटी- ओबीसी वएकता मंच के तत्वावधान में शनिवार को अंबेडकर पार्क डकरा में बहुरा मुंडा की अध्यक्षता में बोधिसत्व भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई साथ ही साथ दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित वक्ताओं ने बाबा साहब की जीवनी पर अपने- अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर एकता मंच के बहुरा मुंडा देवपाल मुंडा, महेंद्र उरांव, सिमलू उरांव, कन्हाई पासी, अशर्फी राम, जगदीश गंझू, पवन उरांव, श्याम जी महतो, उत्तरा कुमार, विवेकानंद महली, किशोर रजक, नरेश कुमार, कैलाश तुरी ,खेमलाल सतनामी, राम चरण सतनामी, सूरज कुमार दास, अमर लाल सतनामी, मंजू देवी अनिल पासवान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

### थाना प्रभारी पर जबरन सरकारी चापाकल पर कब्जा करने का आरोप

**कोडरमा:** नवलशाही थाना क्षेत्र के धुमाडीह गांव के एक व्यक्ति ने थाना प्रभारी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कोडरमा से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित सुरेश साव ने अपने लिखित आवेदन में आरोप लगाया है कि 31 अक्टूबर 2025 की शाम लगभग 3:30 बजे सरकारी चापानल से पानी भरने के दौरान गांव के ही कई लोगों ने घेरकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। आवेदन के अनुसार, घटना के समय पीड़ित को बचाने पहुंची उसकी पत्नी पर भी हमला किया गया तथा उसके गले से करीब 40 हजार रुपये मूल्य का सोने का चेन छीन लिया गया। साथ ही सरकारी चापाकल का बाजबरन कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं, सुरेश साव के मोबाइल फोन को भी छीने जाने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से पीड़ित दंपती को सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पीड़ित का कहना है कि उसने 1 नवंबर को नवलशाही थाना में लिखित शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे आरोपितों का मनोबल और बढ़ गया है। निराश होकर उसने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देते हुए आरोपियों पर अविलंब कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने प्रशासन से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है।

### मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शो एंड टेल प्रतियोगिता का आयोजन

**कोडरमा:** छात्र प्रतिभा के धनी होते हैं बस जरूरत है तो उनकी प्रतिभाओं को निखारने की। देश भर में ठंड ने दस्तक दे दी है और बच्चे भी इस ठंड के मौसम में रंग।बिरंगे ऊनी कपड़े पहन कर काफी खुश हैं। बच्चों की इसी खुशी को दशार्ने के लिए विद्यालय की ओर से एक मंच दिया गया। और कक्षा पहली से पांचवी तक के छात्रों के बीच ठंड के मौसम में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न वस्तुओं को थीम बनाकर उनके बीच सो एंड टेल प्रतियोगिता कराई गई। बच्चे अवसर पाकर काफी खुश थे। वे अपनी पसंदीदा वस्तु जैसे मोजे, दस्ताने, स्वेटर,टोपी, जैकेट दिखाकर कुछ ही पंक्तियों में उसकी विशेषताओं को बताया। छात्रों का प्रदर्शन सराहनीय था। पहली कक्षा से शो एंड टेल प्रतियोगिता में पल्लवी राणा ने अपने शानदार प्रदर्शन से प्रथम स्थान, शाश्वत कुमार ने द्वितीय स्थान एवं हिमांश राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरी कक्षा से आरूषी कुमारी ने प्रथम स्थान आश्वी राणा ने द्वितीय स्थान एवं श्रेया शरीफ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं तीसरी कक्षा से आर्य कुमार राकेश ने प्रथम स्थान ,सात्विक पांडे ने द्वितीय स्थान एवं अंशिका राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इतना ही नहीं साथ ही चौथी और पांचवीं कक्षा के छात्रों के बीच अंतर सदन शो एंड टेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें आइंस्टीन सदन से सरस वर्धन ने प्रथम स्थान, दूसरे स्थान प्राप्त करने वाले छात्र भी आइंस्टीन सदन से सिद्धांत कुमार थे। रमन सदन से समीक्षा चंद्र पहाड़ी एवं बाबा सदन से आयात प्रवीण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए विद्यालय प्राचार्य ने उसकी काफी सराहना की एवं कहा कि छात्रों के बीच इस प्रकार के प्रतियोगिताओं का होना जरूरी है क्योंकि उन्हें एक अवसर मिलता है कि वह अपने अंदर छुपी प्रतिभा को निखार सके और मॉडर्न विद्यालय हमेशा को विद्यार्थियों को इस प्रकार के अवसर प्रदान करता रहेगा। विद्यालय निदेशक का संगीता शर्मा ने भी छात्रों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी विजई छात्रों को बधाइयां दीं।

### सीएसपी संचालक व आभूषण दुकानदार 12 दिसंबर तक लगायें सीसीटीवी कैमरा

**सिल्ली:** सिल्ली थाना परिसर में शनिवार को थाना प्रभारी नवीन कुमार ने क्षेत्र के आभूषण दुकानदारों व सीएसपी संचालकों के साथ संयुक्त बैठक की। जिसमें थाना प्रभारी ने आभूषण दुकानदारों व ग्राहक सेवा केंद्रों की सुरक्षा के लिए कई आवश्यक निर्देश दिये। सुरक्षा के मद्देनजर व क्षेत्र में घटना के बाद अपराधियों की शिनाख्त में मदद के लिए सभी सीएसपी संचालक व आभूषण दुकानदारों को 12 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरा लगवाने को कहा। थाना प्रभारी ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा और निगरानी के लिए जरूरी है। उन्होंने सीएसपी संचालकों को कहा कि बड़ी रकम की लेन-देन की सूचना पुलिस को जरूर दें। ताकि जरूरत पड़ने पर प्रशासन से सुरक्षा दिया जा सके। कहा कि प्रतिष्ठान में हर आने-जाने वाले ग्राहकों पर भी नजर रखें। प्रतिष्ठान में बिना वजह कोई ग्राहक ज्यादा देर नहीं रहे, इस पर भी ध्यान दें। ज्वेलर्स संचालकों को अपनी दुकान में काम करने वाले कर्मचारियों का आचरण प्रमाण पत्र रखने समेत कई निर्देश दिये। वहीं उन्होंने कहा कि शहर में सुरक्षा के लिए विशेष गश्ती दल सेवा में उपलब्ध रहेगी। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि यह कदम आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने और कानून-व्यवस्था बनाये रखने के ध्यानार्थ उठाया गया है। बैठक में एसआई उदय कुमार सिंह, एसआई रामदेव यादव, एसआई रवि वर्मा, एएसआई युधिष्ठिर महतो, मनु कुमार रॉय, राहुल कुमार महतो, मनोज कुमार, मनोज कुमार महतो, अशोक कुमार महतो, लालकेश्वर महतो, बीरेंद्र कुमार सिंह, विजय मुंडा, शुभम सोनार, किशन, रमेश वर्मा, सीएसपी संचालक व आभूषण दुकानदार उपस्थित थे। थाना प्रभारी ने सीएसपी संचालक व आभूषण दुकानदारों के साथ की बैठक।

आय से अधिक संपत्ति का मामला

# निलंबित आईएएस विनय चौबे की पत्नी से हो रही पूछताछ

## डीआईजी,एसपी समेत कई अफसर हैं मौजूद

**संवाददाता**

**रांचीः** आय से अधिक संपत्ति मामले में निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता से एसीबी पूछताछ कर रही है। एसीबी के डीआईजी, एसपी समेत अन्य अधिकारी पूछताछ में शामिल हैं। पूछताछ विनय चौबे के घर पर हो रही है।

जानकारी के मुताबिक रविवार की सुबह एसीबी के डीआईजी, एसपी समेत कई अधिकारी विनय चौबे के कांके रोड स्थित आवास पहुंचकर उनकी पत्नी से पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले तीन दिसंबर को भी स्वप्ना संचिता से एसीबी की टीम ने उनके आवास पर जाकर पूछताछ की थी।

गौरतलब है कि एसीबी ने आईएएस अधिकारी विनय चौबे के खिलाफ 24 नवंबर को चौथी प्राथमिक दर्ज की थी। इस प्राथमिकी में उनके रिश्तेदारों और दोस्त विनय सिंह समेत सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। सभी पर भ्रष्टाचार करने और इसके जरिये अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाये गये हैं।

प्राथमिकी में विनय चौबे के अलावा उनकी पत्नी स्वप्ना संचिता, विश्वसनीय मित्र और अवैध संपत्ति में निवेश करने वाले विनय सिंह और विनय सिंह की पत्नी संचिता सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इसके अलावा विनय चौबे के साले शिपिज त्रिवेदी, शिपिज त्रिवेदी की पत्नी प्रियांका त्रिवेदी और विनय चौबे के ससुर एसएन त्रिवेदी भी नामजद अभियुक्त हैं।

# झारखंड तंजीम के केंद्रीय कार्यालय का हुआ उद्घाटन

## मंत्री हफीजुल हसन अंसारी बतौर विशेष अतिथि हुए शामिल

**मेट्रो रेज**

**रांचीः** झारखंड तंजीम के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन आज किया गया। ज्ञात हो झारखंड तंजीम के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन समारोह गैलेक्सी कॉम्प्लेक्स, कैपिटल हिल होटल के पास, मेन रोड रांची में किया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण एवं जल संसाधन विभाग के मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने शिरकत किया और झारखंड तंजीम के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया किया।

यह उल्लेखनीय है कि झारखंड तंजीम लगातार सामाजिक सेवा में अपना योगदान देता रहा है। समय-समय पर संगठन द्वारा गरीबों की मदद की जाती रही है तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें लाभ पहुँचाया जाता रहा है।

ऐसे में मेन रोड स्थित झारखंड तंजीम के कार्यालय का उद्घाटन होना एक अत्यंत शुभ और महत्वपूर्ण अवसर है। यहाँ से आसपास के क्षेत्रों के गरीबों को निरंतर लाभ मिलता रहेगा।

# वन क्षेत्र से अवैध कोयला उत्खनन मामले में बरकुटे के आदित्य साव को जेल

**टंडवाः** वन प्रक्षेत्र के बहेरा वन परिसर अंतर्गत डहु वन में कोयला उत्खनन हेतु अवैध मिट्टी खनन कार्य में संलिप्त बरकुटे के आदित्य साव एवं डहु गांव के दीपक कुमार को वन विभाग की टीम ने खनन स्थल से गिरफ्तार किया तथा वन अधिनियम की धारा 33 के तहत जेल भेज दिया। इसके अलावा घटना स्थल से महिन्द्रा एसयूवी कार जिसका रजिस्ट्रेशन नं जेएच 01बीएन 1835 है और वहीं हीरो स्पलेंडर जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं है। मौके पर वन विभाग की टीम ने बरामद किया है। उक्त जानकारी वनरक्षी निर्मल मुंडा ने दी। जबकि सूत्रों से मालूम हुआ है कि आदित्य साव द्वारा उक्त एसयूवी कार का उपयोग किया जाता है। वहीं बरकुटेवासियों का कहना है कि आदित्य साव के द्वारा गांव के युवाओं को हमेशा बरगलाने का काम किया गया जो आदतन अपराधी है। इस तरहसे पूर्व में भी आदित्य साव मछली चोरी का मुख्य आरोपी हैं जिसमें डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों को शामिल किया था, इस तरह से उमेश प्रसाद के द्वारा टंडवा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाया गया,जिसका कांड संख्या 08/2025 है। सख्त लहजे में टंडवा वन विभाग का कहना है कि जंगल से अवैध उत्खनन करने वाले कोयला कारोबारी को चिन्हित कर विभाग द्वारा टंडवा वन क्षेत्र से ऐसा पहली बार कारवाई की गयी है। किसी भी हाल में वन क्षेत्र में अवैध कोयला का कारोबार फलने-फूलने नहीं दिया जायेगा।

## डायन-बिसाही मामले में 12 लोगों पर प्राथमिकी

**इटकीः** इटकी थाना क्षेत्र के बिन्धानी गांव निवासी छोटकी उराइन (75) पति साखो उरांव ने इटकी थाना में शनिवार को 12 नामजद सहित 30-40 अज्ञात के खिलाफ डायन-बिसाही के मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज करायी है। आरोपियों में बिन्धानी गांव के ही सुमित उरांव, रोहित उरांव, मोहित उरांव, नाने कुजूर, अनिल केरकेट्टा, माया कुजूर, बुधराम पहान, कल्याण लकड़ा, सुशांत केरकेट्टा, आशीष मुंडा, मनोज कुजूर और सुनील तिर्की का नाम शामिल है। आवेदन में छोटकी उराइंन ने बताया है कि गांव के 12 नामजद के साथ अज्ञात 30-40 लोगों ने मुझे और मेरे पूरे परिवार को डायन-बिसाही कह कर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। जिससे मेरा परिवार डरा-सहमा हुआ है। साथ ही बताया गया कि गांव के सुमित उरांव, रोहित उरांव और मोहित उरांव के साथ मेरा जमीनी विवाद चल रहा है। मामले को लेकर छोटकी उराइंन ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

## प्रदेश सचिव शंभुनाथ व प्रदीप बने प्रदेश संगठन सचिव

**रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आंबेडकर) का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को मेसरा में हुआ**

**मेसराः** रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आंबेडकर) का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को मेसरा में हुआ। अध्यक्षता प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष अनीता गंझू ने की। कार्यक्रम में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर मुख्य अतिथि प्रीतम सांड लोहरा ने पुष्प अर्पित व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में शंभुनाथ गंझू को प्रदेश सचिव, प्रदीप कुमार रंजन को प्रदेश संगठन सचिव, बिनोद रजवार को प्रदेश उपाध्यक्ष, धर्मशीला देवी को रांची जिला महिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। साथ ही विनोद रजवार को रामगढ़ व हजारीबाग, शंभूनाथ गंझू को लोहरदगा, लातेहार व चतरा, प्रवीण कुमार रंजन को बोकारो, खूंटी व चाईबासा, अनीता गंझू को देवघर, दुमका व पाकुड़, रंजना गिरी को रांची, पलामू व धनबाद जिला का प्रभारी शामिल हैं। वहीं बैठक में सत्येंद्र गिरी को झारखंड प्रदेश महासचिव तथा आशीष नायक को काके प्रखंड सचिव व जलेश्वर लोहरा को अनगड़ा प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। संचालन प्रदेश महिला महासचिव रंजना गिरी ने किया। मौके पर प्रदीप कुमार, आशीष नायक, जलेश्वर लोहरा सहित प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

# शौर्य दिवस पर सनातन एकता मंच ने किया महाआरती का आयोजन

**मेट्रो रेज**

**रांचीः** सनातन एकता मंच केंद्रीय कमेटी द्वारा शौर्य दिवस के शुभ अवसर पर नामकुम हाईटेंशन, हनुमान मंदिर प्रांगण में महाआरती का आयोजन किया गया। राम भक्तों ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर महाआरती किया। कार्यक्रम का नेतृत्व सनातन एकता मंच के संस्थापक/केंद्रीय अध्यक्ष रोहित सनातनी ने किया, उन्होंने सभी को शुभकामनायें देते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम मन्दिर को बाबर के आदेश से सेनापति मीर बाकी ने 1528 ई। में गिराकर वहां एक मस्जिद बना दिया था। इसके बाद से सनातनी/हिन्दू समाज एक दिन भी चुप नहीं बैठा। वह लगातार इस स्थान को पाने के लिए संघर्ष करता रहा। आखिर लाखों हिन्दू पुरुषों और हजारों नारियों के बलिदान के बाद 6 दिसम्बर 1992 को बाबरी मस्जिद को विध्वंस कर पाएं, और हाल ही में 2024 में नए राम मंदिर के निर्माण के साथ इसका अंत हुआ। इसलिए हर साल 6 दिसंबर ' शौर्य दिवस' के नाम से मनाया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंच के केंद्रीय कार्यकरी अध्यक्ष समीर सिंह,ब्रजेश सिंह,रोहित कुमार साहू,प्रेम केशरी,धर्मेंद्र कुमार,विकाश सिन्हा, राज कुमार सिंह, विश्वजीत सिंह,आर्यन सागर, भीम शर्मा,राहुल यादव व अन्य उपस्थित हुए।

## झारखंड की फुटबॉल टीम बनी राष्ट्रीय चैंपियन, शैलेश बेहरा बने बेस्ट प्लेयर

**रांची :** 69वीं राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता (एसजीएफआई) में झारखंड ने राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। मध्य प्रदेश के उमरिया में आयोजित इस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में झारखंड ने पंजाब को रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 6-5 से हराया।

पूरी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अनुशासन, रणनीति, तालमेल और जज्बे का अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता 1 से 6 दिसंबर 2025 तक अमर शहीद स्टेडियम, उमरिया में आयोजित हुई।

इस ऐतिहासिक जीत के हीरो रहे शैलेश बेहरा, जिन्हें पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल के लिए बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट से सम्मानित किया गया। टीम के कोच इमरान खान और मैनेजर जितेंद्र कच्छप के मार्गदर्शन में टीम ने राज्य का गौरव बढ़ाया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेंग ने जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि फुटबॉल झारखंड का सबसे लोकप्रिय खेल है। झारखंड के माध्यम से खिलाड़ियों को जो मंच मिल रहा है, उसका परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर दिख रहा है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी तिग्गा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग तथा राज्य खेल कोषांग के सभी सदस्यों ने टीम को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# झारखंड में उम्मीद पोर्टल पर वक्फ की 67 % संपत्ति अपलोड

**रांची :** झारखंड में वक्फ की संपत्तियों में से 67.92 प्रतिशत के ब्योरे को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा तय समय सीमा के अनुसार झारखंड में वक्फ की संपत्तियों को अपलोड करने का कम छह दिसंबर की रात 11।59 बजे तक किया गया।

केंद्र सरकार ने वक्फ की संपत्तियों का ब्योरा अपलोड करने के लिए छह दिसंबर की आधी रात तक का समय दिया था। इस निर्धारित समय सीमा तक झारखंड में वक्फ की कुल 159 संपत्तियों में से 108 का ही ब्योरा अपलोड करना संभव हो पाया। वक्फ की कुल 159 संपत्तियों मे से 151 संपत्ति झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड और आठ संपत्ति शिया वक्फ बोर्ड से संबंधित है। वक्फ बोर्ड के सक्षम पदाधिकारी के अनुसार झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड की 151 संपत्तियों में से सिर्फ 101 का ही ब्योरा उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करना संभव हो पाया। शिया वक्फ बोर्ड की आठ में से सात संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड किया गया। इस तरह झारखंड में वक्फ की कुल 51 संपत्तियों को उम्मीद पोर्ट पर अपलोड नहीं किया जा सका। इसमें एक संपत्ति शिया वक्फ बोर्ड की और 50 संपत्ति सुन्नी वक्फ बोर्ड की है। शिया वक्फ बोर्ड की जिस संपत्ति को अपलोड नहीं किया गया वह हिडेन वक्फ है।

ग्लोबस एजुकेशन एक्सपो-2025

# हजारों छात्र हुए शामिल,अपने कैरियर के प्रति हुए सजग

**मेट्रो रेज**

**रांचीः** राजधानी रांची के बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा डंगराटोली स्थित एक होटल में ग्लोबस एजुकेशन एक्स्पो-2025 का आयोजन किया गया। जिसमें रांची सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों विद्यार्थी और अभिभावक शामिल हुए

इस अवसर पर रांची के विधायक सीपी सिंह , संत जेवियर्स के प्राचार्य एवं शिक्षकगण, संत.जोन,डीएवी निरजा सहाय, डीएवी श्यामली, फिरायालाल पब्लिक स्कूल, ,झारखंड पब्लिक स्कूल, गुरु नानक स्कूल , दयानंद आर्य पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं बीआईटी एक्सटेंशन से डॉ. अशुतोष तथा डॉ. प्रशांत ज्ञान सिंह उपस्थित हुए ।

इसी क्रम में बीआईटी मेसरा से डॉ. आनंद प्रसाद सिन्हा (सहायक प्रोफेसर एवं एसोसिएशन बीआईटी मेसरा,डीन) ने अपने अनुभव साझा किए।

गोस्सनर कॉलेज से संतोष सर, अजय कुमार सर, दीपक शर्मा सर और विनय सर ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।

मारवाड़ी कॉलेज के डॉ. राकेश कुमार सिन्हा (बीबीए विभाग) की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की शैक्षणिक महत्ता को और समृद्ध किया। इनके अलावा रांची के विभिन्न स्नातकोतर कॉलेजों से अध्यापक उपस्थित हुए और कार्यक्रम की बहुत सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में हमेशा आयोजित होते रहना चाहिए ताकि बच्चे का भविष्य उज्जवल रहे और बच्चे भी अपने करियर को लेकर चिंतित ना रहे।

सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके साथ आए विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने करियर काउंसलिंग सत्र में भाग लिया तथा देश-भर से आई प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज से अपने आगे के नामांकन एवं करियर विकल्पों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं

रांची के विधायक सीपी. सिंह ने ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन के सीईओ गौरव राजपूत को इस सराहनीय पहल के लिए हृदयपूर्वक बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं।

संतजेवियर्स कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं और उनके करियर को लेकर हम लोगों को भी सीरियस होना पड़ेगा। जेवीएम श्यामली के प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चों के भविष्य को लेकर हम लोगों को हमेशा कोई ना कोई कदम उठाते रहना चाहिए, फिरायालाल पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा कि आज के बच्चे अपने करियर के प्रति बहुत सजग हो गए हैं इसलिए इसमें हम लोगों को भी पूरी मदद करनी चाहिए। इसके अलावा सभी स्कूल के प्रिंसिपल ने बच्चों की भविष्य को लेकर अपने-अपनी राय दिए।

ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन के सीईओ गौरव राजपूत के प्रयासों से इस एक्स्पो में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 30-35 शीर्ष यूनिवर्सिटीज ने प्रतिभाग किया।

उन्होंने कहा कि यह प्लेटफॉर्म न केवल विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान कर रहा है बल्कि उनके भविष्य को सशक्त बनाने के लिए शत प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप उपलब्ध करवाने की पहल भी कर रहा है। कार्यक्रम में फिरायालाल पब्लिक स्कूल के व्यवस्थापक विजय राज वर्मा ने भी हिस्सा लिए और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा योगदान दिए, तथा कहा कि रांची में इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए ताकि बच्चों को अपने करियर को लेकर चिंता नहीं करना है ।

गुमशुदा की तलाश
इनका नाम
शिवनारायण गोस्वामी है
कृपया किन्ही
को दिखे तो इस नंबर
पर संपर्क करें
बताने वाले को 5000 इनाम
मो. 7292869594

झारखण्ड सरकार
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला
दूरभाष–06524–223092,(मो0)9431706376,
E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(अज्ञात भाव की पहचान हेतु)

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि अज्ञात पुरूष शव जिसका उम्र 60 वर्ष, उँचाई–05 फीट 4 इंच, रंग–साँवला, आँख–काला, बाल–उजला एवं काला, भुरा रंग का जंघिया एवं लाल रंग का गंजी पहना हुआ था। जिसके आलोक में बसिया थाना यू0डी0 कांड सं0–23/25, दिनांक–30.11.2025, दर्ज किया गया है। उक्त शव की पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि अज्ञात शव (पुरूष) के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित अंकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला – 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बसिया – 9471182118
4. थाना प्रभारी, बसिया – 9431706211

PR 367904 Police Wireless Headquarter(25-26).D

पुलिस अधीक्षक, गुमला

POLICE HELPLINE (EMERGENCY DIAL)-112 | CHILD HELPLINE-1098
WOMEN HELPLINE-1091 | DOMESTIC ABUSE HELPLINE-181
CYBER CRIME HELPLINE-1930 | AMBULANCE SERVICE-108

# एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर की नई संभावनाएं

रोडीज और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज ने युवाओं को रोमांच के प्रति आकर्षित किया है। युवा इनमें अपना भविष्य देख रहे हैं। भारत में जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। ऐसे में एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर की कई नई संभावनाओं के द्वार खुलने लगे हैं।

वे दिन चले गए, जब पहाड़ों पर घूमने-फिरने के लिए गर्मी का इंतजार किया जाता था। अब तो पूरे साल पहाड़ों और दुर्गम जगहों पर जाया जा सकता है। इन्हीं पहाड़ों पर कभी बर्फ से भरे रास्तों पर ट्रेकिंग होती है, तो कभी उफनती नदी में राफ्टिंग या फिर साफ मौसम में पैराग्लाइडिंग। रोमांच और जुनून से भरे इन कारनामों को करने के लिए जितनी हिम्मत की जरूरत होती है, उससे कहीं ज्यादा लगन और मेहनत इन्हें सीखने में लगती है।
विदेशों में तो काफी युवा इस क्षेत्र में उतरते हैं, पर भारत में अभी इसे हॉट करियर ऑप्शन के तौर पर नहीं लिया जाता है। इस क्षेत्र में आने पर न केवल आपका घूमनेफिरने का शौक पूरा होगा, बल्कि बढ़िया सैलरी पैकेज भी मिलेगा। भारत में भी जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। अब केवल अपर क्लास ही नहीं, मिडिल क्लास की बड़ी आबादी भी साल में एक-दो बार रमणीय स्थानों पर घूमने निकल ही जाती है। इन टूरिस्ट स्पॉट्स पर एडवेंचर स्पोर्ट्स का काम भी काफी फल-फूल रहा है। इसी वजह से भारत में पिछले कुछ वर्षों से एडवेंचर स्पोर्ट्स की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। इसके साथ-साथ युवाओं में इस क्षेत्र के प्रति रुझान भी उसी अनुपात में बढ़ा है।

## क्या हैं संभावनाएं?

इस क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स एक्सपर्ट या एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर के तौर पर काफी संभावनाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत दुनिया में टूरिस्ट हब के तौर पर उभरा है। इसकी वजह है भारत का विकसित देशों के मुकाबले सस्ता होना और यहां मौजूद प्राकृतिक विविधता। इसके अलावा भारत धार्मिक और स्वास्थ्य पर्यटन के लिए भी पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। स्वास्थ्य लाभ के साथ लोग मानसिक शांति तलाशने के लिए भी भारत का रुख करते हैं। यहां के छोटे शहरों में खुलते मॉल, आसानी से उपलब्ध चीजें, शांतिप्रिय वातावरण और पश्चिम से अलग संस्कृति व जीवनशैली भी विदेशियों को आकर्षित करती है। हर साल भारत में 50 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक आते हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारें भी इस ओर खासा ध्यान दे रही हैं। स्पोर्ट्स एडवेंचर भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा बन गए हैं।
एडवेंचर स्पोर्ट्स में प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए कई क्षेत्रों में जाने के तमाम मौके होते हैं। इनके अलावा केंद्र और विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों में भी काम करने के अवसर मिलते हैं। ये संस्थान समय-समय पर अभियान आयोजित करते हैं। इनमें भी भाग लिया जा सकता है। भारत में कई निजी छोटी-बड़ी कंपनियां भी ऐसी हैं, जो एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में काम कर रही हैं। ये ट्रेकिंग अभियानों, जंगल सफारी, पर्वतारोहण अभियानों आदि के लिए साल भर प्रोग्राम आयोजित करती रहती हैं। अलग-अलग राज्यों में पर्यटन के लिए अलग-अलग समय मुफीद रहता है। इस वजह से साल भर काम मिलता रहता है। इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग किसी हॉलीडे रिसोर्ट, कैंप, कमर्शियल रिक्रिएशन सेंटर, एथलेटिक क्लब आदि आदि से जुड़कर न सिर्फ इन स्पोर्ट्स का प्रचार कर सकते हैं, बल्कि लोगों को प्रशिक्षण देकर भी पैसे कमा सकते हैं।

# प्रोफेशनल लाइफ में बनना है कॉन्फिडेंट तो अपनाएं ये टिप्स

**हमारा आत्मविश्वास जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है, फिर चाहे हमारा कार्यक्षेत्र कोई भी हो। जिन लोगों में आत्मविश्वास की कमी होती है, उन्हें अक्सर असफलता का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत आत्मविश्वास से भरे लोग जीवन के हर मोड़ पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त करते हैं। प्रोफेशनल लाइफ में भी आत्मविश्वास बहुत महत्वपूर्ण है तो आइए जानते हैं कि कैसे आत्मविश्वास को विकसित किया जाए।**

- सबसे पहले तो आप अपना टारगेट बनाएं कि आपको क्या करना है। फिर उस टारगेट की ओर बढ़ना शुरू कर दें।
- आप देखें कि अभी तक आपने अपने जीवन में क्या पाया है और जो पाया है, उसे पाने के लिए आपने क्या प्रयास किए थे। एक डायरी में अपने अचीवमेंट लिख लीजिए।
- अपनी क्षमता का पता लगाइए। यह देखें कि आपके मित्र आपकी किस बात की तारीफ करते हैं। याद रखें, आपकी तारीफ जिस चीज को लेकर होती हो, वही आपकी ताकत हो सकती है।
- क्षमता पता चलने पर अपना टारगेट उसके अनुसार बनाएं। अपने दिमाग को सिर्फ अपने टारगेट पर फोकस करें। बार-बार उसी के बारे में सोचें।
- खुद से वादा करें कि आपने जो टारगेट बनाया है, आप उसमें सफल होकर रहेंगे।
- आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान को बढ़ाना होगा। जब तक आपके पास ज्ञान नहीं है, आपका आत्मविश्वास बस एक दिखावा ही साबित होगा।
- अपने नकारात्मक पहलुओं को पहचानें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें। आपके मन में बस एक ही बात होनी चाहिए कि आप यह काम कर सकते हैं।
- अपने अंदर धैर्य विकसित करें। धैर्य न सिर्फ आपको तनाव से बचाता है, बल्कि यह आपका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।
- खुद की तुलना दूसरों से कभी न करें। आप जो भी हैं, जैसे हैं, बहुत अच्छे हैं। बस, खुद को आगे बढ़ाने वाले प्रयास में कभी ढील न दें।
- गलतियां इंसान से ही होती हैं, पर वे गलतियां बार-बार न हों, इसका खास खयाल रखें। गलतियां सुधारने से आपके व्यक्तित्व में कुछ जुड़ता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

# फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं और अवसर

खाने के बिना कोई भी इंसान जीने के बारे में सोच नहीं सकता है। इसके बिना पृथ्वी से जीवों का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। समय के साथ लगभग सभी चीजें बदली हैं, साथ ही हमारे खान-पान में भी बदलाव आता है। आज के समय में हमारे सामने प्रोसेस्ड फूड का एक नया विकल्प आया है। इस समय फूड एक ऐसा इंडस्ट्री बन गया है, जो लोगों की जरूरत है। जिस तरह से हमारी निर्भरता प्रोसेस्ड फूड पर बढ़ती जा रही है वैसे फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं और अवसर भी पैदा हो रहे है। एक रिपोर्ट के अनुसार फूड प्रोसेस की मल्टी-नेशनल कंपनियां भारत आ रही हैं, लेकिन भारत में कुशल लोगों की कमी है। आज इस फिल्ड में करियर की कई संभावनाएं है।

## क्या है फूड टेक्नोलॉजी

फूड टेक्नोलॉजी के तहत वो सभी कार्य आते हैं जो फूड प्रोसेसिंग में रॉ इंग्रेडिएंट्स को खाने योग्य फॉर्म्स में बदलने के लिए सभी कार्य करते हैं। फूड टेक्नोलॉजी में 4 वर्ष की अवधि का बीई व बीटेक कोर्स करवाया जाता है। इस कोर्स में विभिन्न फूड आइटम्स पर केमिकल प्रोसेस शामिल होती हैं, जिनके इस्तेमाल से अनेक फूड प्रोडक्ट्स बाजार में बेचने के लायक और लंबे समय तक उपयोग करने के लायक बन जाते हैं। फूड टेक्नोलॉजी के माध्यम से साफ, नई कटी फसल का इस्तेमाल लंबे समय तक किया जा सकता है और स्वादिष्ट, स्वास्थ्यवर्धक, आकर्षक और बाजार में बेचने योग्य फूड प्रोडक्ट्स तैयार किये जाते हैं।

## कोर्स के लिए योग्यता

सभी के लिए इस क्षेत्र में भरपूर मौके उपलब्ध हैं। अगर आप इसमें करियर बनाना चाहते हैं तो आपको भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित या होम साइंस में 12 वीं पास होना अनिवार्य है। इसके बाद फूड साइंस, केमिस्ट्री या माइक्रोबायोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। यह कोर्स चार साल का होता है। वहीं बैचलर डिग्री करने के बाद फूड केमिस्ट्री, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और अन्य क्षेत्रों में एडवांस डिग्री भी कर सकते हैं। साथ ही डायटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन और फूड साइंस एंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में डिप्लोमा भी किया जा सकता है। अगर आपने ग्रेजुएशन पूरी कर ली है, तो आप उपरोक्त विषयों में एमएससी भी कर सकते हैं। आगे की पढ़ाई के लिए इस क्षेत्र में शोध-अध्ययन करने की भी काफी गुंजाइश है।

## कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाएं

अगर आप इस क्षेत्र में आना चाहते हैं तो आपको ऑल इंडिया जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम देना होगा, जिसके बाद आप फूड टेक्नोलॉजी और बायो केमिकल साइंस में सरकारी कॉलेजों से बीटेक की डिग्री कर सकते हैं। वहीं, आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए जेईई मेन और जेईई एडवांस की परीक्षा पास करनी पड़ेगी। गेट फूड टेक्नोलॉजी एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से आईआईएससी बेंगलुरू में दाखिला मिलेगा। इसके अलावा सभी निजी संस्थान अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करते हैं।

## जॉब प्रोफाइल

अगर आप एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट बनना चाहते हैं तो आपको फूड प्रोसेस के सभी काम करने होंगे। इसमें उस फूड की गुणवत्ता, स्वाद और रंग-रूप का ख्याल रखना होता है। इसके अलावा एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता, स्टोरेज और हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है। एक फूड प्रोसेस पनी पूरी तरह से फूड टेक्नोलॉजिस्ट पर ही निर्भर करती है।

## कहां मिलेगी नौकरी और सैलरी

अगर आपने फूड टेक्नोलॉजी में कोर्स किया है तो आप के पास नौकरी के कई विकल्प होते है। आप इससे जुड़ी फील्ड जैसे फूड प्रोसेसिंग यूनिट, रिटेल कंपनी, होटल्सए एग्री प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी से जुड़कर काम कर सकते है। इसके अलावा आपको कई प्रयोगशालाओं में भी काम मिल सकता है जो खाद्य वस्तुओं पर रिसर्च और उन्हें संरक्षित करने का काम करती है। इस फील्ड में शुरूआती तौर पर आपको 20 से 25 हजार आसानी से मिल सकते हैं। कुछ सालों के एक्सपीरियंस के बाद आप 30 सें 40 हजार रूपये महीने या इससे ज्यादा कमा सकते है। इसके अलावा आप खुद भी फूड टेक्नोलॉजी के बिजनेस में आकर अच्छा पैसा कमा सकते है।

## इनकी कहां है जरूरत

इस समय फूड टेक्नोलॉजिस्ट की जरूरत दुनिया के हर देश को है। भविष्य में खाद्य पदार्थों की कोई कमी न हो इसलिए हर देश फूड टेक्नोलॉजी पर रिसर्च कर रहा है। जिसमें क्वालिटी और स्वाद के साथ ही पोषक तत्वों पर काम किया जाता है। भारत में इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। इस समय सरकारी एनजीओ से लेकर कई प्राइवेट एनजीओ हैं जो इस क्षेत्र में काम कर रही हैं।

## फूड टेक्नोलॉजी के लिए प्रमुख कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको फूड टेक्नोलॉजी में बीएससी ऑनर्स, बीटेक फूड टेक्नोलॉजी, एमटेक फूड टेक्नोलॉजी, पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी और एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए करना होगा।

# वाइल्ड लाइफ में फैलोशिप का सुनहरा अवसर

पर्यावरण और वन मंत्रालय के अंतर्गत वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्रतिवर्ष कई क्षेत्रों में फेलोशिप प्रदान करती है। यहां रिसर्च एसोशिएट, जूनियर रिसर्च फेलो और टेक्निकल असिस्टेंट के लिए आवेदन पत्र मांगे जाते हैं। सफल लोगों का चयन देहरादून के वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट में वॉक इन इंटरव्यू के आधार पर किया जाता है।

### रिसर्च एसोशिएट

योग्यता-जूलॉजी/बॉटनी/वाइल्डलाइफ साइंसेज/इन्वॉयरन्मेंटल साइंसेज/एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी में पीएचडी। (कोर्स अवधि-1 वर्ष)।

### जूनियर रिसर्च फेलोशिप

इसमें कई प्रोजेक्ट वर्क्स पर फेलोशिप दी जाती है। योग्यता-वाइल्डलाइफ साइंस/लाइफ साइंस/जूलोजी /बॉटनी /फोरेस्ट्री/वेटेरिनरी साइंस/ इन्वॉयरनमेंटल साइंस में मास्टर्स डिग्री। कम से कम 60 प्रतिशत अंक।

### टेक्निकल असिस्टेंट

भारतीय चिडियाघर के संरक्षित जानवरों के रखरखाव पर अध्ययन (कोर्स अवधि-एक वर्ष) योग्यता- जूलॉजी/लाइफ साइंस में मास्टर्स डिग्री। 60 प्रतिशत अंक अनिवार्य। कैंडिडेट को कम्प्यूटर की जानकारी भी होनी चाहिए।

### अन्य शर्तें

रिसर्च एसोशिएट के लिए एप्लीकेंट की उम्र 40 वर्ष से कम होनी चाहिए। जूनियर रिसर्च फेलोशिप और टेक्निकल असिस्टेंट के लिए उम्र 28 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। एससी/एसटी/ओबीसी/ महिलाओं/ विकलांग व्यक्तियों को उम्र में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है।

### छात्रवृत्ति और सुविधा

रिसर्च एसोशिएट्स को क्वालिफिकेशन और अनुभव के आधार पर 16-18 हजार प्रति महीने मिलते हैं। जूनियर रिसर्च फेलो को 12 हजार प्रति महीने और टेक्निकल असिस्टेंट को 6400 रुपये मति महीने प्रदान किए जाते हैं। सभी रिसर्चर को हॉस्टल की सुविधा प्रदान की जाती है। यदि हॉस्टल उपलब्ध नहीं हो पाए तो रहने का खर्च दिया जाता है। समय-समय पर उन्हें अन्य सुविधाएं भी मुहैया करायी जाती हैं।

### आवेदन और इंटरव्यू

कैंडिडेट को एप्लीकेशन के साथ एजुकेशनल क्वालीफिकेशंस, रिसर्च एक्सपीरियंस, एक्स्ट्रा क्यूरिकुलर एक्टीविटीज, बर्थ सर्टिफिकेट, सभी मार्कससीट की अटेस्टेड कॉपी भी इंटरव्यू के समय दिखाना होता है। एप्लीकेशन फॉर्म इंस्टीट्यूट की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

# जनता दरबार के माध्यम से अपर समाहर्ता ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

संवाददाता

देवघरः जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी

एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावा जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

## मुंडली मिशन के 48वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक

पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी है भविष्य : विधायक

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहलः प्रखंड क्षेत्र के परिया पंचायत स्थित मुंडली मिशन में संत जोन वक्रमंस हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल के संयुक्त 48 वां वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम में बतौर मुख्य राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा शामिल हुए। स्कूल प्रशासन एवं बच्चों के द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।अंग वस्त्र एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा भेंटकर अभिनंदन किया गया। विधायक ने स्कूल के झंडे का झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम कर शुभारंभ किए। उपरांत सभी प्लाटुन का निरीक्षण किए। उन्होंने कहा कि मुंडली मिशन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद की दिशा में भी बच्चों को विकसित किया जाता है।बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी परचम लहराते हुए देश और विदेश में अपना स्थान बना सकते

हैं। उन्होंने आयोजकों को कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद के प्रति बच्चों की इतनी अच्छी अभ्यास निश्चित ही बच्चों के अच्छे भविष्य को तय करेगी। मौके पर विशिष्ट अतिथि फादर जे एल जेबियर,फादर सुमित कुल्लू,फादर दीपक तिर्की,विधायक प्रतिनिधि सह झामुमो जिला युवा जिला सचिव मो मारूफ उर्फ गुड्डू,मो आजाद,अब्दुल कादिर,अजय दास,राजेश एक्का, आशीष मंडल,लुखीराम मुर्मू,धर्मेंद्र एक्का व अशोक चिरानियां मौजूद थे।

## न्यूज IN ब्रीफ

### बाबा साहब ने देश को एक सशक्त संविधान दिया : बरकतुल्लाह

साहिबगंजः शहर के बंगाली टोला स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय मे भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता मे मनाया गया। जहाँ कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर व दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि भीमराव अंबेडकर साहब एक महान भारतीय न्यायविद, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे। कहा कि बाबा साहब ने देश को एक सशक्त संविधान दिया। उनके बनाए संविधान की बदौलत आज देश विश्व पटल पर मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। उनके अथक प्रयासों से देश के दलितों,वंचितों और पिछड़ों को अधिकार और सम्मान मिला।बाबा साहब की शिक्षाएं आज भी हमें एक न्यायपूर्ण और समानता आधारित समाज निर्माण के लिए प्रेरित करती है। शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का नारा आज समाज के हर वर्ग के लोगों को जागरूक कर रहा है। बरकतुल्लाह खान ने कहा कि बाबा साहब ने हमें सिखाया कि जीवन लंबा होने से नहीं,महान होने से होता है। आइए,उनके आदर्शों पर चलते हुए एक न्यायपूर्ण,समतामूलक और विकसित भारत का निर्माण करें।साथ ही जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बाबा साहब द्वारा लिखित संविधान,जो देश को एकजुट करता है,वर्तमान भाजपा सरकार उसे तोड़ने पर उतारू है। उन्होंने कहा कि पुण्यतिथि के इस अवसर पर हम सभी कांग्रेसी संकल्प लेते हैं कि राहुल गांधी द्वारा संविधान की रक्षा के लिए उठाए गए कदमों के लिए हम कोई भी कुबार्नी देने को तैयार हैं। कार्यक्रम में बासुकीनाथ यादव,सरफराज आलम,सुनील पासवान,रामसिंगार ओझा,सतीश आर्यन,मो सलाउद्दीन,सतीस पासवान, राजेश कुमार सिंह,दिलीप गुप्ता,अजीज अंसारी,देवराज सिंह,मो अल्ताफ,कौसर आलम,अब्दुल वाहिद,छोटेलाल रमानी, रमजान अंसारी,रागिब आलम एवं दर्जनों कांग्रेसजन शामिल थे।

### बुजुर्ग महिला की गला काटकर हत्या, लूटपाट की आशंका

**रांची :** रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लटमा रोड स्थित सिंह मोड़ में विजेता इन्क्लेव के आसरी गार्डेन में शनिवार को एक हत्या मामला प्रकाश में आया है। फ्लैट में अकेले रह रही 60 वर्षीय विश्वासी हन्ना तिरू की गला काटकर हत्या कर दी गई है। घटना स्थल पर कमरे की अलमारियां खुली मिली हैं, जिससे पुलिस इसे हत्या के साथ लूटपाट का मामला मानकर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार रात की है। विश्वासी हन्ना तिरू के पति स्टेफन तिरू का निधन अप्रैल 2024 में हो गया था, जिसके बाद से वह फ्लैट में अकेली ही रहती थीं। शारीरिक रूप से कमजोर होने के कारण वह चलने के लिए वाकर का उपयोग करती थीं और अक्सर अपने रिश्तेदारों या परिचितों से खाना मंगवाकर खाती थीं। घटना का खुलासा तब हुआ जब मृतका के भतीजे अनिल कुमार तिरू उनके लिए खाना लेकर फ्लैट पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि फ्लैट का दरवाजा हल्का खुला हुआ है। अंदर जाकर उन्होंने अपनी चाची को टीबी के पास जमीन पर बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। अनिल तिरू ने तुरंत पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार दास टोपनो (70) को बुलाया। टोपनो ने नजदीक जाकर देखा तो महिला का गला कटा हुआ था और पास ही खून से सना एक ब्लेड भी मौजूद था। भतीजे अनिल तिरू ने तत्काल डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। कुछ देर में टाइगर मोबाइल पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, फ्लैट के तीनों कमरों की अलमारियां खुली हुई मिली हैं। आशंका है कि अलमारियों में रखे जेवरात और नकदी गायब हैं, हालांकि, घर में मौजूद नकदी और जेवरात की सटीक जानकारी परिजनों ने पुलिस को बाद में देने की बात कही है। जांच में यह भी पता चला है कि मृतका के चचेरे संबंधी सलोमी होरो (श्यामली कॉलोनी निवासी) अक्सर उनके लिए खाना बनाकर लाती थीं। इसके अलावा, उनकी भतीजी एलिन सांगा भी 30 नवंबर तक उनके साथ चार दिन रहकर गई थीं। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने प्रारंभिक रूप से इसे हत्या कर लूट का मामला मानकर अपनी जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही मृतका के सभी परिचितों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि हत्यारों तक पहुंचा जा सके। मामले की जानकारी मिलते ही सिटी एसपी पारस राणा भी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

### पश्चिमी सिंहभूम में जंगली हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत, इलाके में दहशत

**पश्चिमी सिंहभूम :** झारखंड में पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर प्रखंड अंतर्गत बिंजु पंचायत के रुंघी गांव स्थित केंदाड़ी टोला में जंगली दंतेले हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय सेम लुगुन के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सेम लुगुन अपने खलिहान की तरफ जा रहे थे, तभी अचानक एक जंगली हाथी वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। हाथी ने पीड़ित को पहले सूंड से उठाकर 10 से 20 फीट दूर पटक दिया और उसके बाद पैर से सिर कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले के दौरान हाथी जोर से गरज रहा था, जिससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद हाथी जंगल की ओर लौट गया। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत की मुखिया ज्योति सिंह ने वन विभाग को जानकारी दी। इसके बाद आनंदपुर वन क्षेत्र पदाधिकारी तरुण सिंह ने मौके पर वनकर्मियों को भेजा और मृतक के परिजनों को 20 हजार रुपये की त्वरित सहायता राशि प्रदान की। ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा पटाखे और टॉर्च भी वितरित किए गए। शनिवार सुबह आनंदपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चक्रधरपुर भेज दिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीण रात होते ही घरों में सिमट जा रहे हैं।

## 30 किसानों के बीच चना का बीज वितरण

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेटः प्रखंड कार्यालय परिसर बरहेट में शनिवार को बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत प्रखंड क्षेत्र के लगभग 30 किसानों के बीच चना का बीज वितरण किया गया।बीज वितरण झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे तथा अन्य ने संयुक्त रूप से किया।मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने बताया कि हेमंत सोरेन की सरकार समय समय पर किसानों को उन्नत किस्म की बीज उपलब्ध करा रही है।ताकि उनकी उपज अच्छी हो और फसलों का उचित मूल्य किसानों को मिल सके।बीज का वितरण पंचायत बारहेट संथाली,कदमा,सिमलढाब,लबारी बोडबांध सिमडा सहित अन्य पंचायत के किसानों को मिला।मौके पर बी पी ऐम राजदेव सिंह,पंसस रेजाउल रहमान,समदा सोरेन,संजय सोरेन सहित अन्य मौजूद थे।

## वृद्ध साढ़ की मौत से गांव में शोक,

**साहिबगंज :** शहर के पुरानी साहेबगंज मुहल्ले में एक वृद्ध साढ़ की मौत हो गई। साढ़ की मृत्यु की खबर सुनकर गांव के ग्रामीणों ने उनका दाह संस्कार करने का निर्णय लिया। इसके लिये गांव के ग्रामीण उजागर चौधरी सामने आए और उन्होंने दाह संस्कार में आने वाले तमाम खर्च देने को तैयार हो गए। गांव के ग्रामीणों ने गाजे बाजे के साथ साढ़ का शव यात्रा निकाला और उन्हें स्थानीय जनता घाट पर उनको मिट्टी में गाड़ कर उन्हें श्रृद्धाजंलि दिया। ग्रामीणों ने बताया कि यह साढ़ करीब 20 वर्षों से गांव में रहता था और यह बहुत ही शांत प्रवृति का था लोग इन्हें मुंह में खिला देते थे और इनका पैर छूकर प्रणाम भी कर लेते थे कभी इस साढ़ ने किसी को भी नहीं मारा था।,बिल्कुल ही शांत रहने वाला साढ़ था बच्चे भी इनके साथ कुछ भी कर लेते थे। गांव में लोग इनको साढ़ बाबा कहकर पुकारते थे। शव यात्रा में लालू यादव,राजेंद्र यादव,चतुरी चौधरी,बिकास यादव,व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

## डीएसपी मुख्यालय को आवेदन देकर लगाई न्याय की गुहार

एजेंसी

**साहिबगंज:** साहिबगंज के छोटा पंचगढ़ निवासी छोटू कुमार रविदास ने डीएसपी मुख्यालय को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। हालांकि वे एसपी से न्याय की गुहार लगाने उनके कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन कार्य व्यस्तता के चलते एसपी से नहीं मिल सके। बाद में डीएसपी मुख्यालय विजय कुमार कुशवाहा को उनके कार्यालय कक्ष आवेदन दिया। आवेदन में कहा गया है कि 22 अक्टूबर 2025 को काली पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान वे ढोल ताशा बज रहे थे, इस दौरान उसका पैर किसी चीज से दब गया जिसे उसके पैर में दर्द होने लगी, बाद में जब उसने उसका एक्स रे करवाया, पता चला कि उसके बाएं पैर का अंगूठा मामूली रूप से फ्रैक्चर हो गया है। जिसका इलाज केन क्लब की ओर से करवाया जा रहा है। घटना के बाद नगर थाना की पुलिस कई बार उसके घर पहुंची, और उसे यह कहते हुए कागज पर हस्ताक्षर

करवाया गया कि उनको सरकार की ओर से मुआवजा दिया जाएगा। बाद में उनको पता चला कि उस कागज के सहारे किसी जेसीबी संचालक एवं उसका ड्राइवर के खिलाफ नगर थाना में कांड संख्या दर्ज की गई है, जबकि हकीकत यह है कि मेरा पैर किसी भी जेसीबी से नहीं दबा था। जब मैं इसकी जानकारी नगर थाना पुलिस को देने का प्रयास किया, तो मेरी एक नहीं सुनी गई और ना ही इस संबंध में मेरा आवेदन स्वीकार किया गया। साथ ही बार-बार नोटिस भेज कर परेशान किया गया। आधार कार्ड नहीं देने की स्थिति में 5 नवंबर को उनको और उनके पिता को जबरन घर से उठाकर नगर थाना लाया गया और घंटों वहां बैठा कर रखा गया। इस दौरान मामले के आईओ के द्वारा भद्दी भद्दी गालियां भी दी गई। बाद में उनकी मां के द्वारा आधार कार्ड एवं बैंक अकाउंट का फोटो कॉपी थाना में जमा किए जाने के बाद घंटा उन लोगों को थाना से छोड़ा गया। आवेदन में कहा गया है कि इस मामले को लेकर न्यायालय में दोनों पक्षों की ओर से समझौता पत्र भी दाखिल किया जा चुका है, इसकी जानकारी भी मामले के जांच पदाधिकारी को दी गई है।

# बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

संवाददाता

साहिबगंजःदहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन साहेबगंज के हॉल में अंबेडकर संस्था की ओर से विश्व रत्न सिम्बल ऑफ नॉलेज मनुस्मृति के नाशक नारी उद्धारक वर्तमान व भविष्य के आवाज मानव एक समान का अग्रदूत,संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का 69 वॉ महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अंबेडकर संस्था के सदस्यों एवं अंबेडकरवादियों ने बाबा साहब अंबेडकर के तैलीय तस्वीर पर माल्यार्पण किया और मोमबत्ती जलाकर कार्यक्रम की आरंभ किया गया। महा परिनिर्वाण दिवस पर मुलनिवासी संघ बामसेफ अंबेडकर संस्था के मीडिया प्रभारी अनिल पासवान ने

कहा बाबा साहब अंबेडकर के मिशन इसलिए अधूरा है। हमलोग 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस पर रोते है और 14 अप्रैल के जयंती पर नारे लगाते है और वाकी दिन समाज को भूल जाते है। वही दिनेश पासवान,अजमत हुसैन,अनवर अली,नवल किशोर पासवान,बाबा साहब अंबेडकर के विचार पर अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन शेखर पासवान ने किया। मौके पर अनिल पासवान,शेखर पासवान,अनवर अली, अजमत हुसैन दिनेश पासवान,सत्य प्रकाश, विजय पासवान,नवल किशोर पासवान,शिव पासवान,दिनेश कुमार राय,धरनजय पासवान,छठू पासवान, दशरथ पासवान,बिष्णु पासवान,सोनू कुमार,सुजित कुमार,संतोष पासवान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## बिहार के उप मुख्यमंत्री ने सपरिवार किया बाबा बासुकिनाथ में पूजा -अर्चना

संवाददाता

बासुकिनाथः बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपने परिजनों एवं समर्थकों के साथ बाबा बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में विधि विधान से पूजा अर्चना किया । बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सिंहा शनिवार की संध्या में अपने परिजनों के साथ बासुकिनाथ पहुंचे । जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उनके अपने पंडा पंडित सुबोध झा ने अपने टीम के साथ श्री सिंहा को पूजन करने का विधिवत संकल्प कराया और बाबा मंदिर के गर्भगृह में विधि विधान से पूजा अर्चना कराया । बाबा बासुकिनाथ के उपरांत उप मुख्यमंत्री श्री सिंहा ने माता पार्वती एवं शत्रु संहारिणी मां बगलामुखी का भी पूजा अर्चना किया । पूजा के बाद डिप्टी सीएम श्री सिंहा ने अपने परिजनों के साथ बाबा बासुकिनाथ जी का भव्य आरती भी किया एवं बाबा फौजदारी से बिहार के सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा । आरती के समाप्ति

के बाद मौके पर मौजूद दुमका के एस डी एम कौशल कुमार ने उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिंहा को बाबा बासुकिनाथ का प्रतीक चिह्न देकर उनका स्वागत किया । मौके पर दुमका के एसडीएम सह बासुकिनाथ मंदिर न्यास समिति के सचिव कौशल किशोर,जरमुंडी सीओ,बीडीओ कुंदन भगत, अंचल अधिकारी संजय कुमार, जरमुंडी के एसडीपीओ सह थाना प्रभारी श्यामानंद मंडल, पंडा धर्म रक्षिणी सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार पंडा सहित दर्जनों पंडा पुरोहित एवं भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद थे ।

# अभावीप ने समरसता चौपाल के साथ दिया सामाजिक एकता का संदेश

समरसता चौपाल के माध्यम से बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी पहल

संवाददाता

साहिबगंजःअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज नगर इकाई द्वारा सामाजिक समरसता दिवस के अवसर पर शहर में तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया,जिसकी अध्यक्षता नगर मंत्री अविनाश साह ने की। कार्यक्रम की शुरूआत साहिबगंज नगर परिषद परिसर में भारत रत्न डॉ। भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई,जहां उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों को बाबा साहेब के विचारों तथा सामाजिक न्याय और

समानता के उनके संदेश के बारे में अवगत कराया गया। इसके बाद उत्क्रमित नगरपालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंज में आंबेडकर समरसता भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।पहले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया,वो प्रतियोगिता में भारती कुमारी प्रथम,श्रेया कुमारी द्वितीय तथा सोनम परवीन तृतीय स्थान पर रही। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनआरपी सेंटर स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज झा तथा एबीवीपी के प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तीसरे चरण में साहिबगंज शहर के गुल्ली भट्टा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप आंबेडकर सेवा बस्ती में आंबेडकर समरसता चौपाल का आयोजन किया गया।चौपाल के दौरान बस्तीवासियों को बाबा साहेब के विचारों, संवैधानिक अधिकारों तथा सामाजिक समानता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।बच्चों के बीच चॉकलेट भी वितरित की गई। नगर मंत्री अविनाश साह ने कहा कि सामाजिक समरसता दिवस का उद्देश्य सिर्फ कार्यक्रम करना नहीं,बल्कि समाज के हर वर्ग को बाबा साहेब के विचारों से जोड़ना है।एनआरपी सेंटर स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज झा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंदन कुमार ने कहा कि एबीवीपी समाज में समता,स्वतंत्रता और बंधुता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।वहीं जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार ने बताया कि सेवा बस्ती में आयोजित चौपाल ने उन लोगों तक जागरूकता पहुँचाई है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। कार्यक्रमों में नगर सह मंत्री निधि सिंह,प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंदन कुमार,जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार,राजा,प्रिया कुमारी,माहि कुमारी,आदर्श,समीर,नीरज,विवेक , बादल,आकाश सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# निकिता रावल रहीं हैरान जब सनी लियोनी ने सेट पर दिखाई

फ़्लुएंट हिन्दी

शो Real Men Unleashed की शूटिंग के दौरान एक ऐसा पल साझा किया जिसने उन्हें सचमुच चौंका भी दिया और प्रभावित भी किया। शो के एक सीन की शूटिंग करते समय जब वह ग्लोबल स्टार सनी लियोनी के साथ काम कर रही थीं, तभी कुछ ऐसा हुआ जिसकी उन्होंने बिल्कुल उम्मीद नहीं की थी – सनी का बेहद फ़्लुएंट हिन्दी बोलना। सेट पर अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए निकिता ने बताया कि जैसे ही उन्होंने सनी को आत्मविश्वास से भरी, सहज और साफ़ हिन्दी में बोलते सुना, वह पल उनके लिए वाकई अप्रत्याशित था। 'वो इतनी फ़्लुएंट हिन्दी बोलती हैं कि मैं तो बस... 202 रह गई!' निकिता ने हँसते हुए उस पल को याद किया। 'मुझे इस स्तर की पकड़ की उम्मीद नहीं थी। यह बहुत फ्रेश और सच में बहुत इम्प्रेसिव था।' सिर्फ हिन्दी ही नहीं, निकिता ने सनी के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बेहद गर्मजोशी से बात की। उन्होंने सनी की प्रोफ़ेशनलिज़्म, दिलकश बर्ताव और सेट पर पॉज़िटिव एनर्जी बढ़ाने की क्षमता की खूब तारीफ की। दोनों एक्ट्रेसेस के साथ आने से शो में एक नई चमक और चर्चा देखने को मिल रही है।

इंडिगो पर फूटा 'एबीसीडी 2' फेम एक्ट्रेस का गुस्सा, लॉरेन गॉटलिब बोलीं-

# आपदा जैसा लग रहा है

**देश** के प्रमुख एयरलाइन इंडिगो पर यात्रियों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। तीन दिनों से जारी देरी, कैंसिलेशन और भारी भीड़ ने एयरपोर्ट को लड़ाई का मैदान बना दिया है। इसी बीच एक्ट्रेस और डांसर लॉरेन गॉटलिब ने भी इंडिगो पर जमकर भड़ास निकाली है। उनकी दुबई जाने वाली फ्लाइट अचानक रद्द होने के बाद उन्होंने कैमरों के सामने अपना अनुभव साझा किया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में है।

### एयरपोर्ट पर अफरातफरी, उड़ानें रद्द

लॉरेन शुक्रवार को मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आई जहां उन्हें पता चला कि उनकी दुबई की फ्लाइट रद्द कर दी गई है। अंदर की भीड़ और अव्यवस्था देखकर एक्ट्रेस बेहद परेशान दिखीं। उन्होंने मीडिया से कहा कि टर्मिनल के भीतर ऐसा लग रहा था जैसे कोई बड़ी आपदा आ गई हो- सैकड़ों लोग फंसे हुए, बोर्डिंग काउंटर पर हंगामा और किसी को यह पता नहीं कि आगे क्या होने वाला है। लॉरेन ने लोगों से अपील की कि मौजूदा हालात में इंडिगो की फ्लाइट न लें। उनके मुताबिक, हालात इतने खराब हैं कि यात्रियों को न सही जानकारी मिल रही है, न समाधान।

### एल्विश-राहुल भी हुए परेशान

पिछले तीन दिनों में लगातार देरी और कैंसिलेशन से हजारों यात्री परेशान हुए हैं। कई लोग यह तक बता रहे हैं कि उन्हें फ्लाइट शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही रद्द होने की खबर मिली, कुछ को तो एयरपोर्ट पहुंचने के बाद पता चला। यात्रियों का कहना है कि एयरलाइन साफ जानकारी नहीं दे रही, रिफंड और विकल्प की प्रक्रिया बेहद धीमी, एयरपोर्ट पर सुरक्षा और व्यवस्था दोनों बिगड़ गई। इसी बीच यूट्यूबर एल्विश यादव भी इंडिगो पर भड़के और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जताई है। सिर्फ एल्विश ही नहीं, राहुल वैद्य ने भी खुलकर इंडिगो के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है।

'डीडीएलजे' के 30 साल पूरेः

# लंदन में शाहरुख-काजोल की कांस्य प्रतिमा का अनावरण

**बॉलीवुड** की आइकॉनिक फिल्म 'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' के रिलीज को 30 साल पूरे हो गए हैं। इस खुशी में लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर पर अभिनेता शाहरुख खान और काजोल की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसे लेकर अभिनेत्री काजोल ने खुशी जाहिर की है। इस मौके पर अभिनेत्री काजोल ने फिल्म की शूटिंग के पुराने दिन याद किए। उन्होंने बताया, 'हम यूरोप में बस के ऊपर शूटिंग कर रहे थे और वहां बहुत ठंड थी, हल्की बारिश भी हो रही थी। बिल्कुल भी धूप नहीं थी। हम सब कांप रहे थे। हमारे स्वेटर बस के नीचे रखे थे और हम बिना स्वेटर के ऊपर शूट कर रहे थे। हमारी कोरियोग्राफर सरोज जी नहीं होती, तो वह सीन शूट करना मुश्किल ही था। पूरी फिल्म में ऐसे कई मजेदार पल थे, लेकिन हमने किसी तरह शूट कर लिया। आज जब उस सीन को याद करती हूं तो हंसी आती है।' अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म को भारत समेत कई देशों में पसंद किया जाता है। उन्होंने कहा, 'हमारी फिल्म विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों के लिए तो घर की याद दिलाती है।

यह उनके लिए एक पहचान बन गई है, जो आज भी भारत से दूर रहता है, उसे यह फिल्म देखकर अपनापन महसूस होता है। इसी के साथ अभिनेत्री ने अपनी प्रतिमा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि लोग इसके साथ ढ़ेर सारी तस्वीरें लेंगे। मैं चाहती हूं कि हर कोई इस फिल्म को देखे और वही प्यार और अपनापन महसूस करें, जो हम महसूस करते हैं। साल 1995 में रिलीज हुई फिल्म 'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' पहली भारतीय फिल्म है, जो लीसेस्टर स्क्वायर पर प्रतिमा के साथ सम्मानित की गई थी। फिल्म का निर्देशन आदित्य चोपड़ा ने किया था।

# सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपना 'धड़क 2' अवॉर्ड, ऑनर किलिंग का शिकार दिवंगत सक्षम टेट को किया समर्पित

**अपनी** पिछली फिल्म 'धड़क 2' में निलेश का किरदार निभाकर दर्शकों के साथ अपने आलोचकों का भी दिल जीत चुके सिद्धांत चतुर्वेदी को हाल ही में इस किरदार के लिए पावर पैक्ड परफॉर्मर ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने इंटर-कास्ट ऑनर किलिंग का शिकार हुए दिवंगत सक्षम टेट को समर्पित कर दिया। मंच से दिवंगत सक्षम टेट को श्रद्धांजलि देते हुए सिद्धांत ने न सिर्फ संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी बल्कि एक सशक्त संदेश भी पेश किया।उन्होंने कहा, 'यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि यह उन सभी का है, जिन्हें कभी जाति के आधार पर बहिष्कृत किया गया, किनारे किया गया और भेदभाव का शिकार होना पड़ा। हालाँकि इतना कुछ होने के बावजूद उन्होंने न सिर्फ अपने खड़े होने, लड़ने और सिर्फ 'मौजूद' रहने के अधिकार को हासिल किया, बल्कि अपने लिए एक ज़मीन भी तैयार की। उनकी इसी जिजीविषा को सलाम करते हुए, मैं यह अवॉर्ड दिवंगत सक्षम टेट को समर्पित करता हूँ, जिनके पीछे उनका पूरा परिवार और पूरा गाँव हैं और आज मेरा दिल भी है।' सिर्फ यही नहीं आगे बढ़कर सिद्धांत ने 'धड़क 2' की निर्देशिका शाज़िया इक़बाल को धन्यवाद दिया, जिन्होंने फ़िल्म को 'हर तूफ़ान से बचाया ', और लेखक राहुल बडवेलकर की भी सराहना की, जिन्होंने 'इन हालातों में चुपचाप साँसे ले रही खामोशी को सच में बदला।' अपनी गहरी और व्यक्तिगत समर्पण के साथ, सिद्धांत चतुर्वेदी ने न सिर्फ अपने सम्मान के क्षण का उपयोग वास्तविक अन्याय की कहानियों को आवाज़ देने के लिए किया, बल्कि ये संदेश भी दिया कि 'धड़क 2' जैसी कहानियाँ साहस, संवेदना और बेबाक ईमानदारी के साथ कही जाती रहनी चाहिए।

# काशिका कपूर ने बिखेरी ओल्ड-हॉलीवुड ग्लैमर की चमक

**कभी-कभी** फैशन कपड़े और कढ़ाई से आगे बढ़कर एक कहानी बन जाता है – और काशिका कपूर का यह लुक बिल्कुल वैसा ही एक पल है। काले रंग के दिलकश गाउन में, जिस पर बारीकी से की गई चांदी की कढ़ाई सितारों की तरह चमक रही थी, काशिका ने ओल्ड-हॉलीवुड की एलिगेंस और आधुनिक जादू का ऐसा मिश्रण रचा कि नज़रें ठहर जाएँ। उनका गाउन, पूरी तरह तराशा हुआ, उनके व्यक्तित्व के साथ ऐसे बहता है जैसे उनके इर्द-गिर्द रोशनी की नदी बह रही हो। हर पैटर्न, हर चमक उनके हर कदम के साथ जीवंत हो उठती है। हर तस्वीर मानो किसी सदाबहार फिल्म का स्थिर फ़्रेम लगती है – संजीदा, खूबसूरत और बेमिसाल शालीनता से भरा हुआ। लेकिन इस लुक की असली खूबसूरती काशिका की मौजूदगी है। वह सिर्फ गाउन नहीं पहनतीं – वह उसे जीवन दे देती हैं। जब उनके हाथ नरम, बैले-सी मुद्रा में ऊपर उठते हैं और ठोड़ी हल्के-से प्रकाश की ओर झुकती है, तो पूरा माहौल एक मंच की तरह महसूस होने लगता है। उनके मुलायम कर्ल्स, नाजुक और सुरुचिपूर्ण ज्वेलरी, और मेकअप की हल्की, चमकती आभा – सब मिलकर एक ऐसा रूप रचते हैं जो एक साथ क्लासिक भी है और खगोलीय भी। और फिर आता है सबसे दिल पिघला देने वाला पल – वह तस्वीर जहाँ क्रीम-रंग के नन्हे पप्पीज़ का घेरा उन्हें ऐसे घेरे हुए है मानो वह उनकी चाँद हों। वैभव और मासूमियत का ऐसा संगम दुर्लभ है, लेकिन काशिका इसे सहजता और सादगी से निभा लेती हैं। हाई-ग्लैम गाउन और पप्पीज़ की कोमल चंचलता के बीच जो विपरीतता है, वही इस तस्वीर को आइकॉनिक बनाती है – ऐसा दृश्य जो आपकी स्क्रोलिंग रुकने के बाद भी मन में बसा रहता है।

काशिका हमेशा से ही अपने फैशन पलों में भावना घोल देने के लिए जानी जाती हैं, लेकिन यह शूट उनकी विकसित होती पहचान का जश्न सा लगता है – एक ऐसी स्टार जो जानती है कि एलीगेंस और गर्मजोशी, ग्लैमर और आत्मा के बीच परफेक्ट संतुलन कैसे रचा जाता है। यह लुक सिर्फ एक कूट्योर स्टेटमेंट नहीं; यह उस जादू की याद दिलाता है जो उनके हर कदम में होता हैं।

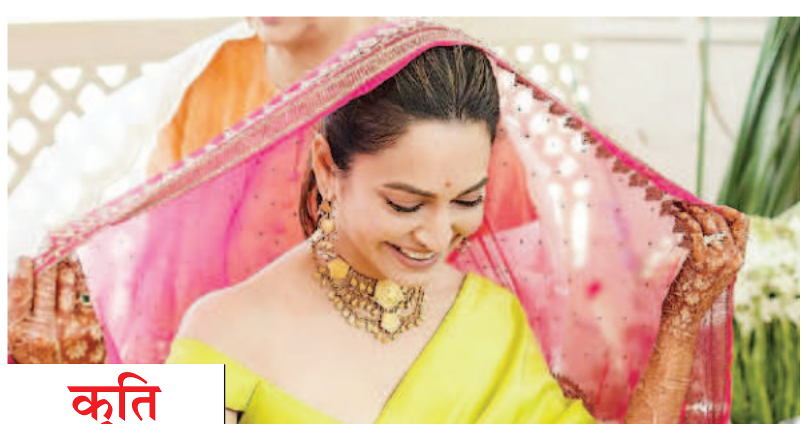

## कृति खरबंदा की हिट लिस्ट में है

# भव्य पीरियड ड्रामा से लेकर सानिया मिर्ज़ा की बायोपिक

**अपनी** खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा अब ऐसे किरदारों की तलाश में हैं, जो उन्हें एक नए, गहरे स्तर पर चुनौती दें। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वह आगे किस तरह के रोल या जॉनर एक्सप्लोर करना चाहेंगी, तो उनका जवाब महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ अतीत की मधुर स्मृतियों और परफॉर्मेंस के प्रति जुनून से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे ऐतिहासिक ऐपिक फिल्मों जैसे 'मुगल-ए-आज़म', 'बाजीराव मस्तानी' और 'राम लीला' जैसी कालजयी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी, जहाँ भव्यता के साथ-साथ इमोशन और दमदार किरदारों की दुनिया हो। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं 'मुगल-ए-आज़म' और 'बाजीराव मस्तानी' जैसी किसी फिल्म में काम करना पसंद करूंगी। 'हाउसफुल 4' के जरिए मैंने उस दुनिया की थोड़ी झलक देखी थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह से ऐसा किरदार निभाना चाहती हूँ, जो ऐतिहासिक हो।' गौरतलब है कि कृति के लिए इन विशालकाय फिल्मों का सौंदर्य, उनकी भावनाएँ, शानदार कॉस्ट्यूम, और मजबूत महिला किरदार, सब मिलकर एक ?सी दुनिया रचते हैं जिसमें वह बतौर एक्टर अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ा सकें। वे कहती हैं, 'मेरे लिए ज़्यादा स्क्रीन प्रेज़ेंस से ज़्यादा ज़रूरी है, एक दमदार किरदार। हालांकि मैं अपने पर्सनल पैशन की बात करूं तो मैं मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा का किरदार निभाना चाहूंगी क्योंकि मैंने अपनी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा टेनिस खेलते हुए बिताया है।

# अपनी पहली फैंटेसी फिल्म 'राहु केतु' को लेकर बेहद उत्साहित हैं पुलकित

**अगले वर्ष की शुरुआत में ही अपनी फिल्म 'राहु केतु' से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे पुलकित सम्राट फिलहाल अपनी पहली फ़्रैंटेसी फ़िल्म प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि यह फिल्म सिर्फ उनके करियर की पहली फ़्रैंटेसी फ़िल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा मुक़ाम है, जिसका इंतज़ार उन्हें बचपन से था।**

अपनी कल्पनाशक्ति को आकार देने वाले बचपन की यादों को साझा करते हुए पुलकित ने कहा, ''राहु केतु' को लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूँ, क्योंकि यह मेरी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म है। मैं सच में अजूबा, छोटा चेतन जैसी फ़िल्में देखकर बड़ा हुआ हूँ, और आज जब मैं खुद ऐसी फ़िल्म का हिस्सा बना हूँ तो मेरे लिए यह सबसे रोमांचकारी है। मुझे ऐसा लग रहा है, मेरा सफ़र पूरा घेरा बनाकर वापस उसी जादुई दुनिया में लौट आया है। गौरतलब है कि रोमांच, भव्यता और इमोशन से भरपूर पुलकित की आने वाली फ़िल्म राहु केतु भी कुछ उसी तरह की फ़ैंटेसी स्पेस को एक्सप्लोर करती है, जैसा हममें से कई लोगों ने अपने बचपन में देखी होगी। हालांकि फ़िल्म से जुड़ी अधिकतर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन पुलकित का उत्साह इस बात का संकेत है कि दर्शकों को उनसे कुछ नया और ताज़ा देखने को मिलेगा, तो तैयार रहिए पुलकित के साथ अपने भी बचपन की कल्पनाओं को आधुनिक फ़िल्ममेकिंग के अंदाज़ में साकार होते हुए।

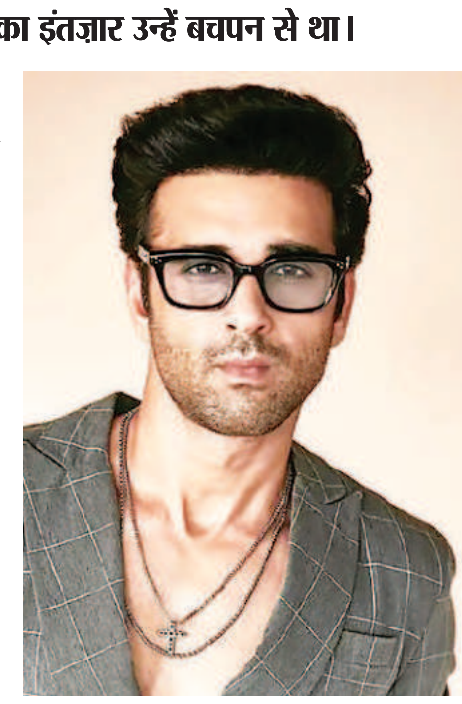

# इंटरनेट पर खौफ और हैरानी, भय के टीज़र में करन टैकर का चौंकाने वाला ट्रांसफॉर्मेशन

**भय** - द गौरव तिवारी मिस्ट्री का टीज़र सामने आते ही इंटरनेट पर हलचल मच गई है, क्योंकि करण टैकर बिल्कुल उसी अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं जैसे भारत के पहले पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर गौरव तिवारी थे। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार उनकी समानता की बातें कर रहे हैं। स्पेशल ऑप्स से लेकर खाकीः द बिहार चैप्टर तक, रियल लाइफ किरदारों में घुस जाने के लिए पहचाने जाने वाले करण एक बार फिर एक जबरदस्त और डराने वाली भूमिका में लौटे हैं। मगर इस बार किरदार और भी रहस्यमयी है, दांव और भी बड़ा है और कहानी रोंगटे खड़े कर देने वाली है। गौरव तिवारी वही शख्स थे जिन्होंने भारत में ईएमएफ मीटर को पहचान दिलाई। भूतिया होटलों में, बदनाम हवेलियों में और सुनसान मंदिरों में बेखौफ घुसने वाले गौरव वहां से ऐसे जवाब लेकर लौटते थे जिन्हें जानने की हिम्मत कोई और नहीं करता था। लेकिन सिर्फ 29 साल की उम्र में उनकी मौत हो गई और आज भी उसकी वजह एक गहरा और उलझा हुआ रहस्य बनी हुई है।

# साड़ी में मैदान पर उतरकर फुटबॉल को नई उड़ान दे रही बांकुड़ा की कोच भारती

एजेंसी

**बांकुड़ा :** बांकुड़ा के छातनार दुमदुम इलाके की विवाहिता भारती मुदी ने ग्रामीण समाज की परंपरागत सोच को चुनौती देते हुए फुटबॉल में नया मुकाम स्थापित किया है। पहले समाज ने उनके फुटबॉल खेलने के जुनून पर रोक लगा दी थी, लेकिन आज भारती मुदी अब गोवा, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर तक अपनी टीम के साथ जीत की गूंज फैला चुकी हैं। रसोई से कोचिंग ग्राउंड तक का उनका सफर अनोखा और प्रेरणादायक है, जिसने दूर दराज के गांवों में रहने वाली लड़कियों के सपनों को भी नई दिशा दी है। रविवार सुबह इलाके के ही एक मैदान में फुटबॉल खेलते हुईं भारती मुदी नजर आईं। उन्होंने बताया कि ₹मेरी कोशिश है कि गाँव की लड़कियों को खेल के प्रति प्रेरित किया जाए और उनके सपनों को पंख दिए जाएं। बांकुड़ा की इस साड़ी पहनने वाली 'कोच भारती' ने साबित कर दिया कि अगर जूनून हो तो कोई भी सीमा बाधा नहीं बन सकती। आज वह बंगाल के फुटबॉल को नए सिरे से जीवित कर रही हैं और ग्रामीण लड़कियों को खेल में आगे बढ़ने का मौका दे रही हैं।

आदिवासी लड़कियों को प्रशिक्षित कर उनके फुटबॉल के सपनों को पंख दे रही हैं।

# भोपाल में एसआईआर कार्य अंतिम चरण में, 93.5 प्रतिशत काम पूरा, चार विधानसभा समय से पहले लक्ष्य पर

एजेंसी

**भोपाल :** मध्य प्रदेश में मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी, सटीक और अद्यतन बनाने के लक्ष्य से चल रहे विशेष एकीकृत पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। प्रदेश की राजधानी भोपाल में यह प्रक्रिया अब लगभग पूरी होने की कगार पर है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, जिले में कुल कार्य का 93.5 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सात में से चार विधानसभा क्षेत्रों ने निर्धारित समय से पहले ही अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है, जो प्रशासनिक दक्षता और सामूहिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। अब तक 20 लाख से अधिक मतदाताओं के फॉर्मों का डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक हो चुका है। शेष कार्य को अधिकारी आने वाले 24 घंटे के भीतर पूरा करने का दावा कर रहे हैं। एसआईआर प्रक्रिया के बाद नौ दिसंबर के पश्चात ह्यनो मैपिंगह्ण वोटर्स की पृथक रूप से जांच की जाएगी, ताकि ऐसे सभी मतदाताओं की स्थिति स्पष्ट की जा सके जिनकी लोकेशन या दस्तावेजों में कोई असंगति पाई गई है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्य प्रदेश संजीव कुमार झा ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को ह्लसभी नागरिकों, सरकारी कर्मचारियों और राजनीतिक दलों के संयुक्त प्रयासों का परिणामह्व बताया। उन्होंने आश्वस्त किया कि पूरे प्रदेश में इस अभियान के दौरान कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है और निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी मानकों और निदेर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया है। झा ने कहा कि इस स्तर की प्रगति यह साबित करती है कि प्रशासनिक तंत्र और आम जनता दोनों ही लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील हैं। निर्वाचन कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया कि जहां उत्कृष्ट कार्य हुआ है, उन टीमों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं, यदि किसी क्षेत्र में बीएलओ या संबंधित कर्मचारियों द्वारा लापरवाही पाई गई, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह व्यवस्था आगे के चुनावी कार्यों में अनुशासन एवं गति बनाए रखने में सहायक होगी। प्रदेश स्तर पर भी एसआईआर अभियान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 28 जिलों में 100 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 22 जिलों ने 99 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य हासिल किया है। शेष 5 जिलों ने भी 90 प्रतिशत से अधिक कार्य संपन्न कर लिया है, जो इस राज्यव्यापी अभियान की व्यापक सफलता को दशार्ता है। अब तक 5 करोड़ 26 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूर्ण किया जा चुका है, जो कुल निर्धारित कार्य का 99 प्रतिशत से अधिक है। यह आँकड़े न केवल तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं, बल्कि प्रशासन के प्रति जनविश्वास को भी मजबूत करते हैं।

## मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पांच लाभार्थियों को दी गई सतप्रतिशत सब्सिडी

एजेंसी

**प्रयागराज :** मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पांच लाभार्थियों के खाते में मत्स्य बीज और आहार सब्सिडी के लिए पांच लाख छियाछठ हजार सात सौ बीस रुपए का भुगतान कर दिया गया। यह जानकारी रविवार को प्रयागराज जिला मत्स्य विभाग कार्यकारी अधिकारी विजय प्रकाश शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार मछुआरा समाज की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए सब्सिडी के तहत आर्थिक सहयोग कर रही है। इस वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत प्रयागराज के पांच मछली पालन के कारोबार से जुड़े किसानों का चयन किया गया। शासन के निर्देश पर प्रयागराज के

पांचों लाभार्थियों के खाते में सब्सिडी का भुगतान कर दिया गया। इस तरह शत प्रतिशत लाभार्थियों को सब्सिडी दे दी गई। सभी लाभार्थियों के खाते में कुल धनराशि 566720 रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी के पैसे से मछली पालन करने वाले किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। वह इस धनराशि से अपने कारोबार को और मजबूती ढंग से करेंगे।

## उज्ज्वला योजना: उज्ज्वला तीन में अपडेट कर पाएंगे आवेदन

### उज्ज्वला योजना फेज-2 के लंबित आवेदकों के लिए राहत

एजेंसी

**धमतरी :** प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के फेज-दो में गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले उन सभी हितग्राहियों के लिए राहतभरी खबर सामने आई है जिनका कनेक्शन अब तक स्वीकृत नहीं हो पाया था। इंडियन गैस एजेंसी धमतरी के संचालक मोहन अग्रवाल ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि उज्ज्वला दो के लिए फार्म भरने वाले कई पात्र आवेदकों के कनेक्शन तकनीकी कारणों से स्वीकृत नहीं हो सके थे, लेकिन ऐसे किसी भी आवेदन को रिजेक्ट नहीं किया गया है, बल्कि वे केवल अपडेट के लिए लंबित हैं। एजेंसी ने सभी ऐसे आवेदकों से शीघ्र संपर्क करने का आग्रह किया है,

ताकि उनका आवेदन अपडेट होकर कनेक्शन स्वीकृत किया जा सके। संचालक मोहन अग्रवाल ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही उज्ज्वला योजना गरीब और पात्र परिवारों को रसोई गैस सुविधा उपलब्ध कराने की जनहितकारी पहल है। उज्ज्वला योजना 3 शुरू होने के साथ ही फेज-2 के लंबित आवेदनों को अपडेट करने का अवसर दिया गया है। उन्होंने बताया कि फेज-2 में आवेदन करने वाले कई हितग्राहियों को कनेक्शन मिल चुका है, जबकि कुछ आवेदन अधूरे दस्तावेज, तकनीकी त्रुटि या सत्यापन अधूरा होने के कारण लंबित रह गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे सभी हितग्राही अब उज्ज्वला तीन के अंतर्गत अपने पुराने आवेदन को अपडेट कर गैस कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं, इसके लिए उन्हें आवश्यक दस्तावेजों के साथ इंडियन गैस एजेंसी में स्वयं उपस्थित होना होगा। एजेंसी में अपडेट प्रक्रिया जारी है और समय पर दस्तावेज जमा करने से कनेक्शन की स्वीकृति सुनिश्चित हो सकेगी। अग्रवाल ने यह भी बताया कि सरकार द्वारा उज्ज्वला लाभार्थियों को गैस रिफिलिंग पर विशेष छूट, मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन और सुरक्षा किट उपलब्ध कराई जा रही है। यह योजना उन परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी है जहां पारंपरिक ईंधन का उपयोग स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक सिद्ध हो रहा है। एजेंसी द्वारा हितग्राहियों की सहायता के लिए विशेष काउंटर भी संचालित किया जा रहा है, जहां आवेदन अपडेट, दस्तावेज सत्यापन और योजना से संबंधित सभी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है।

## झांसी : राइज इंक्यूबेशन सेंटर चला रहा लिटिल सीईओ ऑफ झांसी 2.0 कैंपेन

- कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों के लिए जा रहे इनोवेटिव आइडियाज
- सेलेक्टेड 30 आइडियाज को मिलेगा प्रेजेंटेशन का मौका, 3 को मिलेगा अवॉर्ड
- सरकार के स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने की नीति पर आगे बढ़ रहा स्मार्ट सिटी का इंक्यूबेशन सेंटर

एजेंसी

**झांसी :** योगी सरकार के स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने की पॉलिसी के तहत झांसी स्मार्ट सिटी का राइज इनक्यूबेशन सेंटर कई अभिनव पहल कर रहा है। इसी के अंतर्गत एक अनोखा कार्यक्रम लिटिल सीईओ ऑफ झांसी पहल की शुरूआत की गई है। इसके अंतर्गत बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के इनोवेटिव आइडियाज लिए जा रहे हैं। स्कूलों बच्चों के साथ बूट कैंप भी आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता से जुड़े आइडियाज को

विकसित करना है। यह कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों को अपने इनोवेटिव विचारों को प्रदर्शित करने, स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर में स्थान प्राप्त करने और अपने विचारों को सफल उद्यमों में बदलने में मदद करता है। सभी स्कूलों के बच्चों से उनके स्टार्टअप आइडिया, ऑनलाईन एवं ऑफलाइन मध्यम से जमा कराए जा रहे हैं, जिसकी आखिरी तारीख 31 दिसम्बर है। राइज इनक्यूबेशन सेंटर के स्टार्टअप कंसल्टेंट अंबेश कुमार ने बताया कि लिटिल सीईओ ऑफ झांसी का पहली बार आयोजन पिछले साल 2024 में किया गया था। इस साल लिटिल सीईओ ऑफ झांसी 2.0 के अंतर्गत 31 दिसम्बर तक जो भी आइडियाज आयेंगे, उनमें से 30 को शॉर्टलिस्ट कर उन्हें 28 जनवरी को प्रेजेंटेशन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उनमें से तीन चयनित स्टार्टअप्स को पुरस्कृत किया जाएगा। चयनित स्टार्टअप को इनक्यूबेट करने और सरकार से फंड दिलाने में मदद की जाएगी।

## पुलिस लाइन में सिपाहियों का हाई-वोल्टेज ड्रामा, ईंट-पत्थर चले, दो निलंबित

**मीरजापुर :** पुलिस लाइन की बैरक में शनिवार शाम सवा सात बजे वह नजारा देखने को मिला जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया कि दो सिपाहियों के बीच हाथापाई से लेकर ईंट-पत्थर तक चल गए। दोनों नशे में धुत थे और किसी को होश नहीं था। सिपाही अखिलेश यादव और अरविंद कुमार के बीच बैरक में शुरू हुआ विवाद कुछ ही मिनटों में खुले मैदान तक पहुंच गया। गुस्से में तमतमाए दोनों एक-दूसरे पर टूट पड़े और मारपीट करते-करते बाहर निकल आए। हालात इतने बिगड़ गए कि दोनों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर तक फेंकने शुरू कर दिए, जिसमें दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं। शोरगुल सुनते ही अन्य सिपाही मौके पर पहुंचे और बड़ी मुश्किल से हंगामा शांत कराया। घायल दोनों सिपाहियों को तुरंत मंडलीय अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही सीओ लाइन मुनेंद्र पाल ने रिपोर्ट एसएसपी सोमेन बर्मा को दी। उन्होंने बताया कि करीब तीन घंटे बाद कड़ी कार्रवाई करते हुए एसएसपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

## मुख्यमंत्री ने दिल्ली के स्कूलों में एआई ग्राइंड इनिशिएटिव का किया शुभारंभ

एजेंसी

**नई दिल्ली :** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली के स्कूलों में एआई ग्राइंड इनिशिएटिव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि आज सेंट्रल पार्क में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय के रूप में हमारे युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एआई तकनीक और इनोवेशन के क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नई पहचान बना रहा है। तकनीक अब आम नागरिक की पहुंच में है और युवाओं के लिए अनंत संभावनाओं के द्वार खोले गए हैं। इसी विजन से प्रेरित होकर दिल्ली सरकार ने भारत का पहला सिटी-सेंट्रिक एआई-इंजन- दिल्ली एआई ग्राइंड प्रारंभ किया है। यह दिल्ली के युवाओं को वास्तविक समस्याओं का एआई आधारित समाधान विकसित करने में सक्षम बनाएगा। कक्षाएं इनोवेशन प्रयोगशालाओं में बदलेंगी, स्टूडेंट्स चेंजमेकर बनेंगे और दिल्ली ज्ञान और एआई नवाचार की राजधानी के रूप में उभरने की ओर आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं से अपील है कि आपकी कल्पना ही दिल्ली का कल गढ़ेगी। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी आशीष सूद उपस्थित रहे।

## बलोचिस्तान में प्रतिबंधित संगठन बीआरए के 100 से ज्यादा विद्रोहियों का आत्मसमर्पण

एजेंसी

**क्वेटा :** पाकिस्तान के बलोचिस्तान में आजादी की मांग कर रहे एक प्रतिबंधित संगठन के 100 से ज्यादा विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस संगठन का नाम बलोचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) है। बीआरए राज्य में बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे अन्य समूहों के साथ मिलकर अलग राष्ट्र बनाने की मांग का समर्थन करता है। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को बताया कि हथियार डालने वालों में वरिष्ठ कमांडर भी शामिल है। इस घटचना को अशांत प्रांत में सुरक्षा और सुलह की कोशिश के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पाकिस्तान के अखबार द

एक्सप्रेस ट्रिब्यून और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इसके अलावा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खात्मे के लिए जारी अभियान के तहत पांच दिसंबर को डेरा बुगती में पांच विद्रोहियों को मार गिराया गया। पाकिस्तान की सेना का आरोप है कि टीटीपी को भारत मदद करता है। आईएसपीआर ने साफ किया है कि डेरा बुगती के सुई में आत्मसमर्पण करने वालों में बीआरए के ब्राहमदाग बुगती गुट के कमांडर वडेरा नूर अली चकरानी ने 100 से ज्यादा पूर्व आतंकवादियों के साथ अपने हथियार डाल दिए। इस समूह ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया। रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर बुगती ने आसपास के पहाड़ी इलाकों में छिपे हुए अन्य आतंकवादियों से हिंसा छोड़ने और राज्य की मुख्यधारा में लौटने की अपील की। सुई टाउन के चेयरमैन इज्जतुल्लाहअमन बुगती ने बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के नजरिए की तारीफ की। अधिकारियों का कहना है कि चक रानी जनजाति के सदस्यों को मुख्यधारा में लाना बीआरए के लिए मनोवैज्ञानिक झटका है। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कमांडर और उन सभी लोगों को बधाई दी, जिन्होंने शांतिपूर्ण जीवन में लौटने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि वडेरा नूर अली चकरानी और उनके 100 से अधिक साथियों का यह फैसला सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह एक साफ संदेश है कि राज्य ने बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए हैं।

इस बीच द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए जाफर एक्सप्रेस और बोलन मेल एक बार फिर रद्द कर दिया गया है। दोनों ट्रेनों को जैकबाबाद पहुंचते ही रद्द किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। स्थिति की समीक्षा की जा रही है। स्थिति सामान्य होते ही वे रेल सेवा बहाल होने की जानकारी दी जाएगी।

## न्यूज IN ब्रीफ

### रायपुर : अमीन भर्ती परीक्षा आज, 37889 अभ्यर्थी होंगे शामिल

**रायपुर :** जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अमीन पदों पर भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आज रविवार को परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2.15 बजे तक प्रदेश के 16 केंद्रों में आयोजित होगी। परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई है। 106 परीक्षा केंद्रों में 37889 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में दो घंटे पूर्व पहुंचना होगा। परीक्षा में शामिल होने जरुरी दस्तावेज :-एडमिट कार्ड का प्रिंट आउट, एक मूल फोटो पहचान पत्र, साथ लेकर परीक्षा केंद्र पहुंचना अनिवार्य है, एग्जाम डे गाइडलाइन – समय से पहले पहुंचना अनिवार्य।

### छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय आज मध्यप्रदेश दौरे पर

**रायपुर :** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज रविवार को एक दिवसीय मध्यप्रदेश दौरे पर रहेंगे। वे आज दोपहर करीब 2:30 बजे रायपुर से भोपाल के लिए रवाना होंगे। भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री साय मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वे डब्ल्यूआरडी विभाग की प्रस्तुति के साथ बैठक में शामिल होंगे। शाम करीब 5 बजे श्यामला हिल्स स्थित मुख्यमंत्री निवास में दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच विस्तृत चर्चा होगी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री साय आज रात को ही करीब साढ़े 11 बजे भोपाल से छत्तीसगढ़ लौट आएंगे।

### पुलिस मुठभेड़ में चार लुटेरे गिरफ्तार लूट का सामान बरामद

**अमेठी :** पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन और एएसपी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। मोहनगंज थाना क्षेत्र में 2 दिसंबर को सोनार से हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। शनिवार की रात तिलोई क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह व उनकी टीम ने मुठभेड़ के बाद तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया, जबकि पूछताछ के आधार पर चौथे आरोपित को भी दबोच लिया गया। पूरी घटनाक्रम के बारे में जिले के अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लूट में शामिल आरोपी चिनगाही मोड़ स्थित इंटरलॉकिंग पुल के पास माल का बंटवारा कर रहे हैं। पुलिस के पहुंचते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश आकाश विश्वकर्मा घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी अंकित विश्वकर्मा और शिवेन्द्र प्रताप सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। इनके कब्जे से 07 चाभियों का गुच्छा, 01 तमंचा, कारतूस, लूटा हुआ मोबाइल और 01 पायल बरामद हुई। मौके से मिली मोटरसाइकिल के कागज भी आरोपी प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में आकाश ने बताया कि उसने अपने रिश्तेदार साहबदीन विश्वकर्मा की मदद से सोनार की रेकी कर वारदात को अंजाम दिया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने साहबदीन को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पायल बरामद की। पुलिस के अनुसार चारों आरोपियों ने मिलकर सोनार से मोबाइल, पायल, बिछिया और चाभियों का गुच्छा लूटा था। घटना में प्रयुक्त तमंचा, 315 बोर के कारतूस और बाइक भी कब्जे में ले ली गई है। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। सभी के खिलाफ मोहनगंज थाने में बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

### कोलकाता में पूर्वी कमान का विजय दिवस कर्टन रेजर कार्यक्रम, बाइक रैली से दी गई वीरों को श्रद्धांजलि

**कोलकाता :** विजय दिवस 2025 के मुख्य समारोह से पहले पूर्वी कमान ने रविवार को विजय दुर्ग स्थित अपने मुख्यालय में एक भव्य कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरूआत विजय दिवस के सम्मान में निकाली गई बाइक रैली से हुई, जिसमें 142 बाइकर्स ने हिस्सा लिया। ये सभी बाइकर्स उत्तर बंगाल से लगातार राइड करते हुए कोलकाता पहुंचे और महानगर में करीब 25 किलोमीटर लंबी रैली निकाली। रैली का नेतृत्व ईस्टर्न कमान के कमांडर इन चीफ रामचंद्र तिवारी ने किया। मुख्य कार्यक्रम में 1971 के युद्ध में वीरगति प्राप्त भारतीय जवानों और बांग्लादेशी मुक्तियुद्धाओं को जीओसी रामचंद्र तिवारी ने श्रद्धांजलि दी। इसके पहले तीन नागरिक और फौज की ओर से तीन लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्वी कमान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में युद्ध के ऐतिहासिक महत्व को याद किया गया और भारत की निर्णायक विजय के उन क्षणों को पुनर्स्मरण किया गया, जिनकी गूंज आज भी दोनों देशों की साझी विरासत में महसूस होती है। दरअसल, 1971 के नौ माह लंबे युद्ध के दौरान भारत ने बांग्लादेश को नैतिक, कूटनीतिक और सामग्री सहयोग प्रदान किया। उस समय करीब एक करोड़ लोग बांग्लादेश से निकलकर भारत आए थे, उस कठिन दौर में भारत ने उन्हें आश्रय देने का मानवीय कार्य किया। कार्यक्रम में मौजूद सैन्य अधिकारियों ने 1971 के युद्ध को लोगों की आकांक्षाओं और भारतीय सेना की निर्णायक सैन्य कार्रवाई का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। भारत की सैन्य इतिहास में सबसे तेज और निर्णायक अभियानों में गिने जाने वाले इस युद्ध के परिणामस्वरूप एक नए राष्ट्र बांग्लादेश का जन्म हुआ। युद्ध के अंत में पाकिस्तान के जनरल एएके नियाजी ने 93 हजार सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण किया था, जो विश्व युद्धों के बाद अब तक का सबसे बड़ा सैन्य सरेंडर माना जाता है। रविवार को आयोजित कार्यक्रम ने विजय दिवस 2025 के आगामी आयोजनों की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है, जहां 1971 के युद्ध के नायकों के साहस, बलिदान और ऐतिहासिक विजय को एक बार फिर सम्मानपूर्वक याद किया जाएगा।

### दूषण की चादर में लिपटा खड़गपुर, अस्पताल के पास कूड़े का पहाड़—बढ़ रही गंभीर चिंता

**खड़गपुर :** खड़गपुर शहर में वायु प्रदूषण लगातार भयावह रूप ले रहा है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले धुएं के कारण शहर की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के करीब पहुंच गया है, जो जनझ्रस्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक माना जाता है। इसी बीच खड़गपुर महकमा अस्पताल के समीप धोबीघाट इलाके में जमा हो रहे कूड़े के ढेर ने स्थिति को और चिंताजनक बना दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस कचरे से बदबू फैल रही है, और अक्सर कूड़े में आग लग जाती है या कोई आग लगा देता है। इसके कारण उठने वाला जहरीला धुआं वातावरण को ज्यादा प्रदूषित कर रहा है। लोगों का आरोप है कि इस धुएं से अस्पताल में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। अस्पताल के सुपर गौतम माइती ने कहा कि यह भयंकर प्रदूषण हमारे मरीजों के लिए हानिकारक है। इस विषय में हम कई बार रेल और नगर पालिका को अवगत करा चुके हं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सर्दियों में यह जहरीला धुआं क्षेत्र के अधिक लोगों में श्वसन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। इधर, पर्यावरण प्रदूषण के मुद्दे पर खड़गपुर नगर पालिका और रेल प्रशासन के बीच आरोपझ्रप्रत्यारोप शुरू हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर पालिका का लगभग 70 वर्ष पुराना कोई भी स्थायी डंपिंग ग्राउंड नहीं है, जिसके कारण परेशानी बढ़ती जा रही है। खड़गपुर नगर पालिका की चेयरपर्सन कल्याणी घोष ने कहा कि जहां कचरा फेंका जा रहा है, वह रेल की जमीन है।

# पहाड़ों पर बर्फबारी से कांपा झारखंड, टूटा 4 साल का रिकॉर्ड

## अगले 5 दिन बढ़ेगी ठिठुरन, सभी जिलों का पारा सामान्य से नीचे, चार जिले में सर्वाधिक असर

संवाददाता

**रांची:** झारखंड में ठंड लगातार अपना कहर दिखा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले 48 घंटे मौसम में बड़े बदलाव के साथ ठंड में काफी वृद्धि होने वाली है, जो लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है।

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी होने के बाद मैदानी इलाकों में भयंकर सर्दी देखने को मिल रहे हैं। झारखंड के कई जिलों में तापमान में अचानक से भारी गिरावट देखने को मिली है जिससे लोगों का हाल बेहाल हो गया है। राजधानी रांची समेत 11 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। इन इलाकों के लिए येलो अलर्ट प्रभावी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, रांची, खूंटी, रामगढ़, बोकारो, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, चतरा, लातेहार, पलामू और गढ़वा जिलों में कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। झारखंड में इस साल ऐसी कड़ाके की ठंड पड़ रही है जिसके बाद चार साल का रिकॉर्ड टूट गया है। इस बीच पिछले 24 घंटों में राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली है। मौसम विभाग के अनुसार सबसे कम गुमला में 3.0 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है जो कि सामान्य काफी नीचे है। वहीं अधिकतम तापमान गोड्डा में 29.1 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं रांची, जमशेदपुर, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद और गिरिडीह समेत कई जिलों में अधिकतम तापमान 22 डिग्री से 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से 14 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा वहीं सुबह और रात में कोहरा बढ़ने की संभावना है। वहीं 7 से 10 दिसंबर के बीच राज्य के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक की गिरावट देखी जा सकती है। बढ़ती ठंड और शीतलहर की स्थिति को देखते हुए मौसम विभाग ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को, ठंड के प्रभाव से बचने के लिए गर्म और ऊनी कपड़ों से पूरी तरह से ढकने की सलाह दी गई है। लोगों को यह भी सलाह दी गई है कि अत्यधिक आवश्यकता होने पर ही घर से बाहर निकलें और देर रात या सुबह जल्दी की अनावश्यक यात्रा से बचें।

## जहरीली गैस रिसाव से 2 महिलाओं की मौत मामले में बीसीसीएल की बड़ी कार्रवाई, जीएम जीसी साहा सस्पेंड

संवाददाता

**धनबाद:** जिले के केंदुआडीह में हुए जहरीली गैस रिसाव से 2 महिलाओं की मौत की घटना के बाद बीसीसीएल प्रबंधन ने सख्त कार्रवाई करते हुए पीबी एरिया के जीएम जीसी साहा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

बीसीसीएल मुख्यालय के डीपी मुरली कृष्ण रमैया ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है। जीएम साहा के स्थान पर अब बीसीसीएल मुख्यालय के जीएम जेके मेहता को पीबी एरिया की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ज्ञातव्य है कि केंदुआडीह के राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला समेत आसपास के इलाकों में अचानक जहरीली गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे स्थानीय लोग प्रभावित हुए। दो दिनों में दो महिलाओं की मौत के बाद बीसीसीएल ने अलर्ट मोड में आकर इलाके में तुरंत आपातकालीन टीम तैनात की। जिला प्रशासन के डीसी आदित्य रंजन ने भी बीसीसीएल और अन्य विभागों के साथ बैठक कर इस घटना की जांच के लिए कमेटी गठित की, ताकि सूचना और समन्वय में हुई चूक का पता लगाया जा सके।

बीसीसीएल ने एक विशेष टास्क फोर्स भी बनाया है जो प्रभावित लोगों को चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक सहायता और परिवारों की काउंसलिंग प्रदान करेगा। बीसीसीएल सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल भी लगातार मौके पर रहकर घायल व बीमार लोगों का हालचाल पूछ रहे हैं। जिला प्रशासन ने भी राहत शिविर और एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराई है। यह घटना क्षेत्रवासियों की सुरक्षा की गंभीर चुनौती बन गई है और बीसीसीएल प्रशासन ने इसे सुधारने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। आगामी जांच रिपोर्ट और प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की निगाहें हैं।

## जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

**पश्चिमी सिंहभूम :** जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब जंगली दंतैल हाथी ने एक व्यक्ति को कुचल कर मार डाला। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला जिले के आनंदपुर प्रखंड के बिंजु पंचायत के रुंघी गांव के केंदाड़ी टोला का है। बताया जा रहा है कि 55 वर्षीय सेम लुगुन नामक व्यक्ति अपने खलिहान की ओर जा रहे थे। इस दौरान जंगली दंतैल हाथी ने उन पर हमला कर दिया। व्यक्ति ने हाथी से अपनी जान छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन हाथी ने उसे अपनी सूंड में उठाकर करीब 10 से 20 फीट दूर एक छोटे आम के पेड़ के नीचे पटक दिया। इतना ही नहीं हाथी ने अपनी पैर से व्यक्ति को बुरी तरह कुचल दिया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

## पीजी सेमेस्टर-2 परीक्षा के ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित

**दुमका:** सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका ने पीजी सेमेस्टर-।। सत्र 2024- 26 की परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियों की घोषणा कर दी है। विद्यार्थी 11 से 23 दिसम्बर 2025 तक बिना विलंब शुल्क ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। 200 विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरने की तिथि 24 से 28 दिसम्बर 2025 तक निर्धारित है, जबकि 500 रूपया विलंब शुल्क पर 29 दिसम्बर 2025 से 1 जनवरी 2026 तक फॉर्म भरे जा सकेंगे।

कॉलेजों/विभागों द्वारा फॉर्म की हार्डकॉपी 2 से 3 जनवरी के बीच जमा की जाएगी। परीक्षा शुरू होने से 7 दिन पहले तक विद्यार्थी केवल ऑनलाइन माध्यम से 1000 रूपया विलंब शुल्क के साथ भी फॉर्म भरने का विकल्प प्राप्त करेंगे।

छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं तथा भुगतान रसीद सहित हार्डकॉपी अपने संबंधित कॉलेज में जमा करना अनिवार्य होगा।

## यूनिवर्सिटी एग्जॉम में लागू होगी ऑब्जेक्टिव प्रणाली

संवाददाता

**दुमका:** यूजी सेमेस्टर-3 परीक्षा में लागू होगी ऑब्जेक्टिव प्रणाली विवि ने शुरू की तैयारियां, दो पेपर ओएमआर शीट पर होंगे आयोजित

सत्र 2023-27 के यूजी सेमेस्टर-3 की परीक्षा से विश्वविद्यालय ऑब्जेक्टिव परीक्षा प्रणाली लागू करने जा रहा है। अनियमित सत्र को नियमित करने के उद्देश्य से कुछ माह पूर्व परीक्षा बोर्ड एवं अकादमिक काउंसिल ने एनईपी के तहत संचालित सभी यूजी कोर्सों के कॉमन पेपर को ओएमआर आधारित ऑब्जेक्टिव मोड में लेने का निर्णय लिया था। अब विवि उस निर्णय को लागू कर रहा है। इस बार से सेमेस्टर-3 में दो पेपर – स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसइसी) और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एइसी) – की परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी। परीक्षा ओएसडी डॉ. इंद्रनील मंडल ने बताया कि परीक्षा बोर्ड और अकेडमिक काउंसिल का निर्णय इसी सत्र की परीक्षा से लागू कर दिया जाएगा। फिलहाल यह व्यवस्था दो पेपरों में लागू की जा रही है, जबकि अन्य पेपर पुराने सब्जेक्टिव मोड में ही होंगे। इनमें दो मेजर, एक माइनर और एक एमडीसी पेपर शामिल हैं। डॉ. इंद्रनील मंडल ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र में 1 व 1.5 या 2 अंक के प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प दिए जाएंगे तथा छात्रों को ओएमआर शीट में काले बॉलपेन से सही विकल्प भरना होगा। एनईपी लागू होने के बाद संसाधनों की उपलब्धता और अन्य कारणों से सत्र कुछ हद तक अनियमित हुआ था। मूल्यांकन में तेजी लाने और परिणाम समय पर जारी करने के लिए विवि ने कुछ पेपरों को ऑब्जेक्टिव मोड में लेने का फैसला किया है। निर्णय अनुसार एमडीसी को भी ऑब्जेक्टिव मोड में होना था, लेकिन फिलहाल इसे ट्रायल बेसिस पर लागू किया जा रहा है। आगे सभी कॉमन पेपरों पर यह प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा ने बताया कि यूजी सेमेस्टर-3 की परीक्षा जल्द कराई जाएगी। तैयारी शुरू कर दी गई है। वहीं, डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव ने सभी शिक्षकों से अपील की है कि वे छात्रों को ऑब्जेक्टिव मोड में होने वाले दोनों पेपर के अनुसार तैयारी कराएं और सिलेबस उसी अनुरूप पढ़ाएं।

यूजी सेमेस्टर-3 सत्र 2023-27 की इंटरनल परीक्षा कॉलेज स्तर पर आयोजित की जा रही है। सभी छात्र-छात्राओं अपने-अपने कॉलेज से संपर्क कर निर्धारित तिथि एवं समय पर इंटरनल परीक्षा में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। इंटरनल परीक्षा के अंक अंतिम परिणाम में शामिल किए जाते हैं। यदि कोई विद्यार्थी इंटरनल परीक्षा में उपस्थित नहीं होता है, तो उसे अनुपस्थित दर्ज कर दिया जाएगा, जिसका सीधा प्रभाव उसके परिणाम पर पड़ेगा।

## सरकारी आवास से पंखा चुराकर भाग रहे थे चोर, सुरक्षा गार्ड ने पकड़ा

**धनबाद :** शहर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब चोरों ने रेलवे अधिकारी के सरकारी आवास में चोरी करने की कोशिश की। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को पकड़ लिया है। मामला जिले के रांगाटांड़ स्थित का है। बताया जा रहा है कि यहां रेलवे अधिकारी के सरकारी आवास में चोरों ने चोरी करने की कोशिश की। दो युवक बाउंड्री वॉल फांदकर बंगले परिसर में घुसे और पंखा चोरी कर भागने लगे। सुरक्षा गार्ड ने मौके पर एक युवक को पकड़ लिया। वहीं, अन्य युवक भागने में सफल रहा। वहीं, युवक को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में जुट गई है। मामले में गार्ड ने बताया कि वह रात में ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान दो युवक बाउंड्री वॉल फांदकर बंगले परिसर में घुसे और पंखा चोरी कर भागने लगे। पीछा करने पर एक युवक पकड़ा गया।

## अंग्रेजी शराब से लदा पिकअप पलटा चालक फरार, शराब की बड़ी खेप जब्त

**कोडरमा:** जिले के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत नौवाचक स्थित अपना लाइन होटल के पास रविवार अहले सुबह अंग्रेजी शराब से लदा एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक पिकअप में प्लाई लकड़ी के फ्रेम बनाकर बीच में लगभग 130 पेटी शराब की पेटियों को इस तरह छिपाया गया था कि बाहरी लोगों को इसकी भनक तक न लगे। वाहन पलटते ही सड़क पर भारी मात्रा में शराब की बोतलें बिखर गईं। सूचना मिलते ही सतगावां थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा दल- बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू कर पलटे वाहन को सीधा करवाया और उसे थाना ले जाया गया। घटना के बाद से फरार चालक की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस अवैध शराब तस्करी के इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है। सूत्रों के अनुसार चालक फरार होने पर जिले वाहन चलाने का अनुभव ही नहीं था उस युवक द्वारा वाहन पुलिस द्वारा परिवहन करवाया गया. जिससे यह घटना घटी।

## लक्ष्मण गिलुवा की पत्नी मालती गिलुवा को विरासत में मिली है राजनीति

ज्योति पाठक

**पश्चिम सिंहभूम:** जिले में अपनी सशक्त पहचान और राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय रहे पूर्व सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्व लक्ष्मण गिलुवा की पत्नी मालती गिलुवा पूरे जिले में सक्रिय रूप से भाजपा के संगठन और लोगों को जोड़ने का कार्य कर रही हैं। ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्र के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी उनके द्वारा संगठन को बेहतर और मजबूत बनाने की दिशा में की जा रही कारगर पहल काफी प्रशंसनीय है। इसके अलावा वे सामाजिक कार्यों व कार्यक्रमों में शामिल होकर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराती हैं। इसी का यह सार्थक परिणाम है कि उनके बेहतर कार्यों को हर जगह काफी सराहा जाता है तथा उन्हें सम्मानित भी किया जाता है। श्रीमती गिलुवा की यह विशेषता है कि वह अपने पति स्व लक्ष्मण गिलुवा की राजनीति विरासत को पूर्ण रूपेण संभाल रखा है और पूरे संसदीय क्षेत्र में अपनी सक्रियता से यह संदेश भी दे रही है कि दुनिया के सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी लोगों के बीच क्यों जनप्रिय है और जन समस्याओं समस्याओं का निष्पादन इस पार्टी की हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रीमती गिलुवा के सार्थक पहल और प्रयास का ही यह परिणाम है कि पार्टी के जनाधार में वृद्धि होने के साथ-साथ लोगों का जुड़ाव और लगाव भी भाजपा के प्रति निरंतर बढ़ाहै झारखंड प्रदेश में अपने दमदार और सशक्त जनाधार के कारण पूरे राज्य में पहचाने जाने वाले उनके पति स्वर्गीय लक्ष्मण गिलुवा दो बार सांसद दो बार विधायक के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे थे। स्वर्गीय लक्ष्मण गिलुवा अभिभाजित बिहार के पहले ऐसे विधायक थे जिन्हें भाजपा ने लोकसभा में पहली बार 1999 में अपना प्रत्याशी बनाया था। इससे पूर्व भाजपा अपने पार्टी के विधायक को सांसद का उम्मीदवार नहीं बनाया करती थी किंतु यह इतिहास बनाने वाले स्वर्गीय लक्ष्मण गिलुवा थे। इस प्रकार से अविभाजित बिहार और बाद में झारखंड राज्य बनने के पश्चात लक्ष्मण गिलुवा प्रदेश के राजनीति में एक दिग्गज राजनीतिक के रूप में हमेशा अपनी दमदार पहचान बनाने में सफल रहे थे और आज उनकी विरासत को उनकी धर्मपत्नी मालती गिलुवा द्वारा संगठन और पार्टी को निरंतर मजबूती प्रदान की जा रही है। इसी का यह परिणाम है कि उन्हें निरंतर कार्यक्रमों में सम्मानित भी किया जाता है।

## अखिलेंद्र मिश्रा ने चंद्रकांता सीरियल से बनाई अपनी पहचान

विनय मिश्रा

टीवी जगत के सुविख्यात कलाकार अखिलेंद्र मिश्रा ने चंद्रकांता सीरियल से अपनी जबरदस्त पहचान बनाई तथा फिल्म अतिथि कब जाओगे फिल्म में छोटा सा रोल कर अपने अभिनय का लोहा मनवाया था। बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता अखिलेन्द्र मिश्रा हाल ही में अपने पैतृक गांव पहुँचे थे। वह मूल रूप से बिहार के सीवान जिले के रहने वाले हैं। अखिलेन्द्र मिश्रा का जन्म बिहार के सीवान में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरूआत अपने पैतृक गांव कोल्हूआं, सीवान में शौकिया थिएटर से की थी। वह फिल्मों में 'मिर्ची सेठ' (सरफरोश) और 'अर्जुन' (लगान) जैसे अपने किरदारों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन उन्हें 90 के दशक के टीवी सीरियल 'चंद्रकांता' में 'क्रूर सिंह' (यक्कू) के किरदार से इन्हें घर-घर में पहचान मिली। वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं और अक्सर बिहार व थिएटर के बारे में बात करते हैं।

# राजद ने बाबा साहब की पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया

## सिविल सोसाइटी ने किया बाबा साहब को नमन

**दुमका:** भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव राम जी अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर सिविल सोसायटी दुमका द्वारा माल्यार्पण व श्रद्धासुमन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम केसरी,सचिव संदीप कुमार जय बमबम,राजेश कुमार राउत,अशोक कुमार राउत, प्रमोद जायसवाल,बसंत कुमार टुडु, निलेश कुमार झा मिंटू,विजय कुमार, मुकेश कुमार,संजय केशरी व अन्य ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

संवाददाता

**दुमका:** राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में शनिवार को राजद कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि के अवसर अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब की आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे महापरिनिर्वाण दिवस के रुप में मनाया। राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि बाबा साहब भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता और स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री थे। वे एक विधिवेता, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। दलित पिछड़े और वंचित समाज, मजदूर वर्ग और महिलाओं के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज बुलंद कर अभियान चलाने पर वह देश के सबसे बड़े समाज सुधारक और मसीहा के रूप में जाने जाते हैं। डॉ. आंबेडकर दलितों शोषितों की आवाज थे। उनकी सोच और आदर्श हमें सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर चलने को प्रेरित करता है। अनुमंडल अध्यक्ष जितेश कुमार दास ने कहा कि राष्ट्र के प्रति उनका योगदान बहुमूल्य और उल्लेखनीय है। वे ऐसे व्यक्ति थे जो समय से आगे चला करते थे। सामाजिक बुराइयों को दूर करने के उनके प्रयासों और उनके द्वारा शिक्षा को दिए गए महत्व का हमलोग अनुशरण करते हैं। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जमील अख्तर, आदिवासी नेता पानेशल मुर्मू, उपेंद्र मंडल, सरैयाहाट प्रखंड अध्यक्ष राकेश यादव, जामा प्रखंड अध्यक्ष रामसुन्दर पंडित, जरमुंडी प्रखंड अध्यक्ष गणेश भंडारी, रामगढ़ प्रखंड अध्यक्ष राजेश रंजन यादव, इसारुद्दीन अंसारी, दिनेश मिश्रा, राजेन्द्र गुप्ता, शेष यादव, बिनय प्रसाद, पंचानंद यादव, पंकज यादव, बिजय भंडारी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।